www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 79 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
10 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:12
सूर्यास्त: 06:59
अधिकतम: 39°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश ... » पेज 04 | लखनऊ-उन्नाव में आंधी... » पेज 06 | दीपिका-रणवीर नए घर में...

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव

कांग्रेस बोली-फैसले के खिलाफ कोर्ट जाएंगे

मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द

झटका

- पहले भाजपा के तीसरे उम्मीदवार की जीत मुश्किल थी
- तेलंगाना कोर्ट मामले की जानकारी छिपाने का आरोप।
- भाजपा की आपत्ति पर रिटर्निंग ऑफिसर ने फैसला सुनाया।

सुनवाई के बाद आया फैसला

मामले की गंभीरता को देखते हुए रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा और कांग्रेस दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया। कानूनी और दस्तावेजी पहलुओं की जांच के बाद नामांकन पत्र को अमान्य घोषित कर दिया गया।

बदले घटनाक्रम के बाद भाजपा के तरुण चुग, रजनीश अग्रवाल और नटराजन के विरुद्ध खड़े हुए भाजपा प्रत्याशी महेश केवट का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। संख्याबल के आधार पर दो सीट भाजपा को मिलनी थी और तीसरी कांग्रेस को। लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी के विरुद्ध भाजपा ने प्रत्याशी खड़ा कर मतदान की नौबत ला दी थी।

भाजपा ने लगाए थे जानकारी छिपाने के आरोप

भाजपा की ओर से दायर आपत्ति में कहा गया था कि कांग्रेस उम्मीदवार ने अपने खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी का खुलासा नहीं किया।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि मीनाक्षी नटराजन ने अपने नामांकन पत्र और शपथ पत्र में तेलंगाना की अदालत से जुड़े प्रकरण का उल्लेख नहीं किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संपत्ति से संबंधित कुछ जानकारियां भी पूरी तरह घोषित नहीं की गईं। इसी आधार पर नामांकन को निरस्त किया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को अपना उम्मीदवार बनाया था। लेकिन उनकी एक गलती के चलते कांग्रेस राज्यसभा चुनाव से बाहर हो गई है। दरअसल, मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को रिटर्निंग ऑफिसर ने रद्द कर दिया है। इसके चलते भारतीय जनता पार्टी की बल्ले-बल्ले हो गई है और कांग्रेस को वोटिंग और रिजल्ट आने से पहले ही हार का स्वाद चखना पड़ा है। अब सबसे बड़ा सवाल है- आखिर उनका नामांकन रद्द क्यों हुआ है? आइए जानते हैं पूरी बात, लाइव हिन्दुस्तान के साथ। भाजपा ने इस विषय में शिकायत की थी। इसके बाद रिटर्निंग आफिसर ने उन्हें नोटिस देकर 9 जून को शाम 5:30 बजे तक जवाब देने के लिए कहा था। लेकिन, कोई जवाब नहीं देने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने अपनी जांच में जानकारी को छिपाने का दोषी पाने के बाद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन तकनीकी आधार पर रद्द कर दिया है। इसके साथ ही कांग्रेस मध्य प्रदेश में राज्यसभा की रेस से बाहर हो गई है। बल्ले-बल्ले की कहानी समझने से पहले एमपी विधानसभा का चुनावी गणित समझिए। एमपी में कुल 230 विधानसभा सदस्य हैं। राजेंद्र भारती की सदस्यता रद्द है, इसलिए एक सीट खाली होने के चलते कुल प्रभावी सदस्य 229 हैं। » (शेष पेज 06 पर)

सचिन पायलट ने क्या आरोप लगाए?

वहीं, कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, जिस सीट पर कांग्रेस जीतने की उम्मीद कर रही थी, उसी सीट के लिए उम्मीदवार का नामांकन रद्द कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग में कोई अधिकारी मिलने के लिए तैयार नहीं है और यह कहा जा रहा है कि वहां कोई अधिकारी मौजूद नहीं है। उन्होंने दावा किया कि केवल एक नोटिस के आधार पर किसी राज्यसभा उम्मीदवार का नामांकन रद्द करने का यह पहला मामला है। जबकि उम्मीदवार के खिलाफ कोई मामला या एफआईआर भी दर्ज नहीं है।

आखिर क्यों रद्द हुआ नामांकन?

कांग्रेस की उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन पर आरोप है कि उन्होंने अपने नामांकन फॉर्म में हैदराबाद की एक अदालत में लंबित आपराधिक मामले की जानकारी कथित तौर पर छुपाई थी। इसी के चलते रिटर्निंग ऑफिसर ने उनका नामांकन रद्द कर दिया है। अब कांग्रेस मध्य प्रदेश में राज्यसभा चुनाव की रेस से बाहर हो गई है, क्योंकि नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 8 जून थी।

विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के कमरे के बाहर धक्कामुक्की हुई। कांग्रेस विधायकों को लेकर बेंगलुरू जा रहा विमान रनवे से लौट आया।

कांग्रेस ने बताया लोकतंत्र की हत्या, कोर्ट जाने का ऐलान

इस पूरे मामले पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- ये लोकतंत्र की हत्या है। कानून और नियमों को ताक पर रखकर नामांकन रद्द किया गया है। सुप्रीम कोर्ट का नियम है कि जो केस दर्ज हुआ है, उसकी आपको जानकारी देनी होगी, लेकिन इस मामले में केवल शोकॉज का नोटिस मिला था। फिर भी नियमों को ताक पर रखकर एक्शन लिया गया है। उन्होंने कहा कि अब हम अदालत जाएंगे और जनता के बीच भी संघर्ष करेंगे।

ममता ने कल्याण बनर्जी को लोकसभा में चीफ व्हिप बनाया

नई दिल्ली/कोलकाता। TMC में टूट के बीच ममता बनर्जी ने मंगलवार को सांसद कल्याण बनर्जी को लोकसभा में पार्टी का चीफ व्हिप नियुक्त किया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लेटर लिखकर कहा कि इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। TMC के लोकसभा में 28 सांसदों में से 20 ने एक दिन पहले बगावत के बाद ममता का साथ छोड़ दिया था। उन्होंने NDA सरकार को समर्थन देने का फैसला किया है। इन लोगों ने सांसद काकोली घोष दस्तीदार को अपना चीफ व्हिप चुना था। खुद काकोली घोष ने बागी सांसदों के साइन वाला लेटर लोकसभा स्पीकर को भेजा था। चीफ व्हिप किसी राजनीतिक दल का सीनियर नेता होता है, जो संसद या विधानसभा में पार्टी के सांसदों/विधायकों के बीच अनुशासन बनाए रखने और पार्टी की रणनीति लागू कराने की जिम्मेदारी संभालता है।

मानसून ने 16 राज्य कवर किए, आज मुंबई पहुंचेगा

उन्नाव में पेड़ उखड़े, कर्नाटक में गाड़ियां बहीं

सतर्क

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना । नसून 6 दिन में 16 राज्यों तक पहुंच गया है। मंगलवार को मानसून ने पश्चिम बंगाल में एंट्री की। फिलहाल यह मुंबई से करीब 150 किमी दूर है और अगले 48 घंटे में शहर में दस्तक दे सकता है। वहीं, अगले सप्ताह तक यह गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तक पहुंच सकता है।

मानसूनी हवाओं के असर से कई मैदानी राज्यों में गर्मी कम हुई है। साथ ही प्री-मानसून के कारण कई जगह 50-60kmph रफ्तार से आंधी और तेज बारिश हो रही है।

- एमपी-राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में मंगलवार को आंधी से कई जगह पेड़ उखड़ गए। केरल और कर्नाटक में पिछले 4 दिनों से लगातार बारिश जारी है। मंगलवार को बेंगलुरु और बेलगावी में भारी बारिश के बाद कई सड़कों पर पानी भर गया। कुछ जगहों पर गाड़ियां पानी में बहती नजर आईं। » (शेष पेज 06 पर)

राममंदिर में चोरी का दावा अयोध्या पहुंचे नृपेंद्र मिश्र

अखिलेश ने लिखा था- रुपए गायब होना ट्रस्ट के लिए शर्मनाक

मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । राममंदिर में आए चढ़ावे में करोड़ों रुपए की चोरी के दावे पर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र सोमवार को अचानक अयोध्या पहुंचे। उन्होंने राममंदिर परिसर के एक बंद कमरे में करीब 4 घंटे तक मीटिंग की। मीटिंग में राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य मौजूद रहे। » (शेष पेज 06 पर)

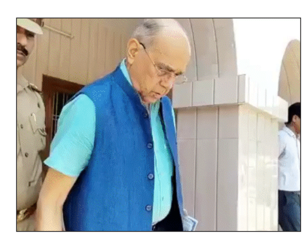

मीटिंग के बाद नृपेंद्र मिश्र दिल्ली रवाना

मंगलवार को नृपेंद्र मिश्र सर्किट हाऊस रुके। इसके बाद सुबह करीब 9 बजे दिल्ली के लिए निकल गए। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट और उससे जुड़े लोग मीडिया से दूरी बनाए हुए हैं। हर सदस्य मीडिया से बचता नजर आ रहा है।

न्यास के सूत्रों का कहना है कि जैसा आरोप है और जितनी बड़ी राशि की बात की जा रही है। उसकी संभावना ना के बराबर है। » (शेष 06 पर)

फास्ट न्यूज

खान सर कोचिंग विवाद- पटना में छात्रों का प्रदर्शन

पटना। खान सर की कोचिंग पर हमले के मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर छात्र आज तीसरी बार सड़क पर उतरे। पटना कॉलेज से कारगिल चौक तक मार्च निकालने की तैयारी कर रहे छात्रों को पुलिस ने रोक दिया।

संकट परेशान

रूस में 20 गुजराती फंसे, बोले-पासपोर्ट जब्त

अहमदाबाद। गुजरात के आनंद और वडोदरा के 20 युवक-युवतियां रूस में फंस गए हैं। उनका आरोप है कि उन्हें 1 से 1.5 लाख रुपए महीने की नौकरी का लालच देकर रूस भेजा गया, लेकिन अब बहुत कम वेतन मिल रहा है। साथ ही रहने-खाने को मोहताज हो गए हैं। गुजरात पुलिस के मुताबिक, पेटलाद निवासी रिम्पल कुमार पटेल ने फिश पैकिंग और टेलरिंग की नौकरी दिलाने के नाम पर 33 लोगों को रूस भेजा। इसके बदले उनसे 2.10 लाख से 3 लाख रुपए तक लिए गए। कुल वसूली करीब 78 लाख रुपए बताई जा रही है।

वृंदावन- बांके बिहारी मंदिर के पास मकान का छज्जा गिरा

मथुरा। वृंदावन में मंगलवार शाम बांके बिहारी मंदिर के पास गली नंबर-5 में एक मकान का जर्जर छज्जा अचानक गिर गया। हादसे के समय वहां श्रद्धालुओं की भीड़ थी। छज्जा गिरने से 9 लोग घायल हो गए, जिनमें 4 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टीएमसी विधायकों की शिकायत पर ममता के घर पहुंची सीआईडी

नेता विपक्ष के प्रस्ताव पर फर्जी साइन का आरोप

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। TMC में चल रहे विवाद के बीच मंगलवार को CID की टीम ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। शुरुआत में टीम को अंदर जाने से रोक दिया गया, लेकिन बाद में अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारियों ने परिसर में प्रवेश किया। TMC के पूर्व सांसद सुभाषिश चक्रवर्ती ने कहा कि अभिषेक बनर्जी की गैरमौजूदगी में तलाशी की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि अभिषेक के आने के बाद एजेंसी जांच कर सकती है। दरअसल, पार्टी के कुछ बागी विधायकों ने स्पीकर को शिकायत भेजी थी। उनका आरोप है कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता विपक्ष बनाने के प्रस्ताव पर अभिषेक बनर्जी के लेटरहेड का इस्तेमाल किया गया और उस पर फर्जी साइन किए गए। » (शेष पेज 06 पर)

- अभिषेक के जवाब के आधार पर पहुंची टीम
- अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने के जांच शुरु हुई

योगी बोले- मारीच और सुबाहु लैंड जिहादी थे, राम लव जिहाद रोकने के लिए आदर्श उदाहरण

भारत की धरती कोई धर्मशाला नहीं : योगी

कथा

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में नौ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नकारात्मक ताकतों के खिलाफ समाज को एकजुट होने का आह्वान किया. सीएम योगी ने कहा कि भगवान राम सभी को जोड़ते हैं और राम भक्तों ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए 500 वर्षों तक कड़ा संघर्ष किया है. सीएम ने कहा- जो भारत के प्रति निष्ठा नहीं रखते, जिनकी भारत के प्रति आस्था नहीं है, भारत के संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उन लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। इस संकल्प के साथ हम सब आगे बढ़ेंगे। संत शक्ति सबको एकजुट कर आगे ले जाना चाहती है। » (शेष 06 पर)

रामभद्राचार्य की कथा में पहुंचे योगी

> खर-दूषण और मारीच-सुबाहु क्या कर रहे थे? वो भी रावण के साथ लैंड जिहाद के अभियान में जुड़े हुए थे। साधु-संतों को उनकी जगह से हटाकर लैंड जिहाद करते थे। रामकथा केवल सुनने का विषय नहीं है। इसे सुनकर समझना होगा।- सीएम योगी

शायद ही कोई भारतीय हो, जो श्रीराम को न मानता हो

सीएम ने कहा- रामजन्मभूमि को सभी पूज्य संतों ने अपने जन्म-मरण का विषय बना दिया था। पूज्य संतों ने इसलिए नहीं किया था कि उन्हें कुछ लाभ मिले। उन्होंने श्रीराम के लिए किया। एक नाम उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम तक जोड़ सकता था। एक लंबे समय तक उनके लिए आंदोलन चला। 491 वर्षों तक रामजन्मभूमि के लिए किसी न किसी रूप में आंदोलन चलता रहा।

खर-दूषण और मारीच को बताया 'लैंड जिहादी'

सीएम योगी ने 'लैंड जिहाद' पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि खर-दूषण, मारीच और सुबाहु जैसे राक्षस भी उस कालखंड में इसी काम में जुड़े हुए थे. वे किसी भी जमीन को खाली देखकर जबरन अपना तंबू गाड़ देते थे. उन्होंने चेतावनी दी कि जब भी नकारात्मक ताकतें वर्चस्व में आएंगी, वे समाज को तहस-नहस करेंगी और शिक्षण संस्थानों को बंजर बनाएंगी, जैसा उस दौर में ताड़का और खर-दूषण करते थे. उन्होंने कहा कि नकारात्मक ताकतें हर कालखंड में आएंगी, लेकिन समाज को मिलकर इनके खिलाफ हमेशा तैयार रहना होगा।

आरोप : 2027 में जनता वोट के बुलडोजर से सत्ता से बाहर करेगी : अखिलेश यादव

'भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल'

अरमान

तमसा संकेत, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों को देश और प्रदेश के लिए संकट पैदा करने वाला बताते हुए कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में बिजली महंगी कर दी गई है और स्मार्ट मीटर के जरिए जनता से वसूली की जा रही है। डीजल समेत अन्य ईंधनों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जबकि किसानों को यूरिया और अन्य खादों की उपलब्धता को लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। » (शेष पेज 06 पर)

> कार्यक्रम में सांसद हरेन्द्र मलिक, राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, विधायक मनोज पारस, समर पाल सिंह, पंकज मलिक, किसान नेता चौधरी रविन्द्र मलिक, नूर मोहम्मद, जिया चौधरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा प्रमुख ने महंगाई, बिजली दरों, स्मार्ट मीटर और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कार्यकर्ताओं से विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान

सत्ता में आने पर किए कई वादे

अखिलेश यादव ने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों, नौजवानों, महिलाओं और छात्रों के हित में बड़े फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों का भुगतान 24 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विशेष योजनाएं चलाई जाएंगी तथा छात्राओं को केजी से पीजी तक निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

समाजवादी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा जहां समाज को बांटने और नफरत की राजनीति करती है, वहीं समाजवादी पार्टी विकास और सामाजिक न्याय की राजनीति में विश्वास रखती है। उन्होंने अपनी सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे जैसे विश्वस्तरीय प्रोजेक्ट समाजवादी सरकार की देन हैं। » (शेष पेज 06 पर)

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए

2 साल में देश के एटमी हथियार 180 से बढ़कर 190 हुए

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। » (शेष पेज 06 पर)

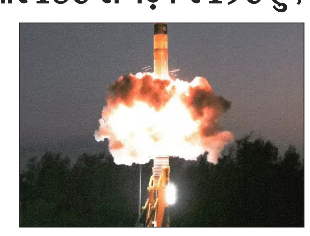

- दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार

गोरखपुर में अंडरवियर में मोबाइल छिपाकर पहुंचा, हापुड़ में 2 दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड

सिपाही भर्ती परीक्षा देने जा रहे बाप-बेटी की मौत

चेकिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज, लखनऊ । यूपी में 32,679 कॉन्स्टेबल भर्ती-2025 परीक्षा का आज यानी मंगलवार को दूसरा दिन है। पहली पाली की परीक्षा खत्म हो गई। परीक्षा देकर केंद्रों से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने कहा कि ओवरऑल पेपर अच्छा था। हिंदी, रीजनिंग आसान थी।

लेकिन जीएस (सामान्य अध्यन) का सेक्शन टफ था। इसके बाद भी पेपर सरल था और अच्छा हुआ। इससे पहले सुबह 8 बजे कड़ी चेकिंग के बाद अभ्यर्थियों को एग्जाम हॉल में एंट्री दी गई। एडमिट कार्ड, बायोमेट्रिक मिलान और रेटिना स्कैन किया गया। हाथरस में महिला अभ्यर्थियों के जूड़े खुलवाकर चेकिंग की गई। लखनऊ में ईयररिंग उतरवाई गईं। जौनपुर में क्लेचर, कंगन और चूड़ियां उतरवाई गईं। कानपुर में अभ्यर्थियों के मुंह खुलवाकर चेकिंग की गई। वाराणसी में बाइक से बेटी को परीक्षा दिलाने ले जा रहे पिता को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

हाथरस में लड़कियों के जूड़े खुलवाकर चेकिंग कर गई। उसके बाद ही परीक्षा केंद्रों पर एंट्री दी गई।

32,679 कॉन्स्टेबल और समकक्ष पदों के लिए 31 दिसंबर 2025 को नोटिफिकेशन जारी हुआ था। 30 जनवरी 2026 तक ऑनलाइन आवेदन हुए। 29 लाख 45 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जांच के दौरान 60 हजार आवेदन निरस्त कर दिए गए।

इससे पहले, सोमवार को दो पालियों में 9.62 लाख अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, लेकिन 7.23 लाख ही परीक्षा देने पहुंचे। करीब 2.39 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। हापुड़ में एक अभ्यर्थी के पास मोबाइल फोन मिला। मामले में लापरवाही मिलने पर दो दरोगा समेत 6 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

गोरखपुर में बिहार का रहने वाला अभ्यर्थी राम प्रकाश अंडरवियर में मोबाइल छिपाकर पहुंचा। एग्जाम हॉल में पेपर देने के दौरान ड्यूटी पर तैनात शिक्षक को उस पर शक हो गया। चेकिंग की गई तो उसके पास से मोबाइल मिला। आज उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पहली शिफ्ट में परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक चली।

गाजियाबाद में पहली पाली में 7,450 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी

गाजियाबाद में यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन की पहली पाली का एग्जाम कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हो गया। सेठ मुकंदलाल स्कूल परीक्षा केंद्र से बाहर निकले अभ्यर्थियों ने बताया कि पेपर ओवरऑल आसान रहा। अभ्यर्थियों के अनुसार सामान्य अध्ययन के कुछ सवाल थोड़े कठिन थे। पहली पाली में पंजीकृत 11,064 अभ्यर्थियों में से 7,450 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।

कन्नौज में सपाइयों ने अभ्यर्थियों के लिए भंडारा लगाया

कन्नौज के तिर्वा कस्बे में पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों के लिए सपा नेताओं ने भंडारे का आयोजन किया। परीक्षा केंद्रों के पास स्टॉल लगाकर परीक्षार्थियों को दोपहर का भोजन वितरित किया। सपा नेता कुक्कू चौहान, सपा जिलाध्यक्ष कलीम खां, जिला प्रवक्ता विजय द्विवेदी ने अभ्यर्थियों को भोजन दिया। नेताओं ने बताया कि पहले दिन कई अभ्यर्थी भोजन के लिए परेशान दिखे थे। इस कारण आज दूसरे दिन से भंडारे की व्यवस्था शुरू की गई।

अयोध्या का आईआरजीएस रैंकिंग में प्रदेश में चौथा स्थान

डीएम बोले- गुणवत्ता और जनसंतुष्टि पर रहेगा फोकस

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में जनशिकायतों के प्रभावी और समयबद्ध निस्तारण के मामले में प्रदेश स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। मई 2026 की आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम) रैंकिंग में अयोध्या को उत्तर प्रदेश में चौथा स्थान मिला है। खास बात यह है कि वर्ष 2020 के बाद पहली बार जिला प्रदेश के टॉप-10 जनपदों में शामिल हुआ है।

आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और तय समय सीमा के भीतर निस्तारण के आधार पर जारी रैंकिंग में अयोध्या की इस उपलब्धि को प्रशासनिक कार्यप्रणाली में सुधार और अधिकारियों की जवाबदेही का परिणाम माना जा रहा है।

रैंकिंग जारी होने के बाद जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा- यह उपलब्धि जनहित के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता, पारदर्शी कार्यशैली और शिकायतों के गंभीरता से निस्तारण का परिणाम है।

डीएम ने कहा- शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग लगातार काम कर रहे हैं। इसी का सकारात्मक परिणाम आईजीआरएस रैंकिंग में दिखाई दिया है।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उपलब्धि को बनाए रखने के साथ शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता में और सुधार किया जाए।

फास्ट न्यूज

कृषि विश्वविद्यालय में नो व्हीकल डे

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज में मंगलवार को 'नो व्हीकल डे' मनाया गया। कुलपति डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद पहली बार आयोजित इस विशेष दिवस पर वीआईपी गेस्टहाउस से पैदल चलकर कुलपति कार्यालय पहुंचकर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा बचत का संदेश दिया।

रामलला मंदिर में दान चोरी के आरोप

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर पीएम मोदी से शिकायत की गई है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर प्रकरण की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। पत्र में लिखा- राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में चढ़ावे, दान और मंदिर प्रशासन से जुड़े किसी भी विवाद या आरोप पर पारदर्शिता आवश्यक है। यदि आरोप निराधार हैं तो जांच के माध्यम से सच्चाई सामने लाई जाए और यदि कहीं अनियमितता हुई है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

गोरखपुर में 44 केंद्र पर पुलिस भर्ती परीक्षा

गोरखपुर। गोरखपुर में यूपी सिपाही भर्ती की दूसरे दिन की दूसरी पाली की परीक्षा भी समाप्त। 44 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच आयोजित करवाई गई थी। सेंट एंड्रयू कॉलेज के सेंटर से निकल रहे अभ्यर्थियों ने कहा- पेपर लीक होने का कोई डर नहीं है। हाल ही में हुआ था तो पूरा भरोसा है अब नहीं होगा। वहीं इस बार सिलेक्शन होने की उम्मीद भी जताई।

राम मंदिर को हर महीने मिल रहा 5 करोड़ चढ़ावा

2025-26 में 220.81 करोड़ की इनकम

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर के दानपात्र में जमा रकम में कथित हेराफेरी का मामला तूल पकड़ने लगा है। अखिलेश यादव के बयान के बाद अब इस पर सियासत गरमाने लगी है। विपक्ष जहां रोज नए -नए दावे कर रहा है।

वहीं भाजपा के नेता और मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोग आरोपों को सिरे से खारिज कर रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप के दौर बीच अब मंदिर की आय और चढ़ावे से जुड़े आधिकारिक आंकड़े सामने आ गए हैं। मंदिर को दानपात्रों के माध्यम से हर महीने औसतन करीब पांच करोड़ रुपये का चढ़ावा मिल रहा है।

ट्रस्ट का दावा है कि रामलला को मिलने वाले चढ़ावे और दान की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी व्यवस्था के तहत संचालित होती है और उसका हिसाब रखा जाता है। इसलिए दानपात्र में मिली रकम में हेरफर का आरोप बेबुनियाद है। राम मंदिर ट्रस्ट की बीते मार्च महीने में हुई बैठक में प्रस्तुत वित्तीय रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में मंदिर को विभिन्न माध्यमों से 220.81 करोड़ रुपये की आय हुई।

इनमें सबसे अधिक 54.79 करोड़ रुपये रामलला की हुंडी (दानपात्र) से प्राप्त हुए। इस आधार पर मंदिर को दानपात्रों के माध्यम से हर माह औसतन करीब पांच करोड़ रुपये का चढ़ावा मिल रहा है। वहीं ऑनलाइन दान के रूप में 8.33 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- एसआईआर और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर सीजेआई को लेटर लिखेंगे

यूपी विधानसभा चुनाव 3 महीने पहले हो सकते हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 8 जून, नई दिल्ली- INDIA ब्लॉक की दिल्ली में बैठक हुई। 25 राजनीतिक दल इसमें शामिल हुए। यूपी से सपा प्रमुख अखिलेश यादव शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- SIR और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर CJI को लेटर लिखेंगे।

5 जून, नई दिल्ली- राहुल गांधी के साथ यूपी के प्रमुख दलित और अति पिछड़ा वर्ग के नेताओं की बैठक हुई। विधानसभा चुनाव से पहले यह सपा के 'PDA' फॉर्मूले को और मजबूत करने की कोशिश थी। 4 जून, लखनऊ- भाजपा के संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा- यूपी विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल चुनाव मॉडल अपनाएंगे। 1.76 लाख बूथ पालक तेजी से नियुक्त कर लीजिए। यहां भाजपा के 98 संगठनात्मक जिलों के अध्यक्ष मौजूद थे। ये 3 संकेत इस बात को बढ़ावा दे रहे हैं कि यूपी में विधानसभा चुनाव तय समय से पहले हो सकते हैं। लखनऊ की ब्यूरोक्रेसी से जुड़े सोर्स राष्ट्रीय जनगणना को इसकी बड़ी वजह बता रहे हैं। दरअसल, चुनाव फरवरी में प्रस्तावित हैं। इसी महीने में जनगणना का दूसरा चरण भी शुरू हो रहा। इसके अलावा, बोर्ड परीक्षाएं भी हैं। ऐसे में ज्यादातर कर्मचारी ड्यूटी में लगे रहेंगे। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि चुनाव दिसंबर महीने के अंत या जनवरी के शुरुआती हफ्तों में हो सकता है। यानी 3 महीने पहले चुनाव हो सकते हैं। इस पर चुनाव आयोग के अधिकारी कहते हैं- वोटर लिस्ट का SIR कार्यक्रम जारी होना है। आमतौर पर फाइनल वोटर लिस्ट जनवरी के मध्य में आती है। अगर आयोग ने समय से पहले चुनाव का फैसला लिया, तो इस बार अंतिम वोटर लिस्ट नवंबर तक प्रकाशित कर दी जाएगी। सपा और बसपा नेताओं का कहना है कि भाजपा मंदी के असर को पहले ही भांप गई है। इसलिए जल्दी चुनाव कराना चाहती है।

एक ही स्टाफ, दो बड़ी ड्यूटियां

देश में जनगणना का पहला चरण चल रहा है, जो 30 सितंबर तक चलेगा। इसका दूसरा चरण 9 से 28 फरवरी 2027 के बीच होना है। इसमें लोगों की सामाजिक-आर्थिक और जातीय जानकारी जुटाई जाएगी। यूपी में इसके लिए 5.25 लाख शिक्षकों और 600 से ज्यादा एसडीएम/डीएम की ड्यूटी लगी है। यूपी में बूथों की संख्या बढ़कर 1.77 लाख हो चुकी है। इसके लिए चुनाव ड्यूटी में 7 लाख से ज्यादा कर्मचारी चाहिए। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जो स्टाफ जनगणना कर रहा, वही चुनाव भी कराता है। अगर दोनों काम साथ हुए, तो सचिवालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक पूरा सिस्टम ठप हो जाएगा।

> **पीएम नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी आने वाले दिनों में आर्थिक संकट और महंगाई को लेकर चिंता जता चुके हैं। वित्तीय वर्ष की आखिरी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मंदी और महंगाई का असर जनता पर सीधे दिख सकता है। ऐसे में लोगों की नाराजगी सत्ताधारी पार्टी से हो सकती है। भाजपा ऐसा रिस्क नहीं लेना चाहेगी।**

बोर्ड परीक्षाओं का टकराव

फरवरी-मार्च के महीने में ही यूपी, सीबीएसई और आईसीएसई की बोर्ड परीक्षाएं भी होती हैं। लाखों शिक्षक परीक्षा कराने और कॉपियां जांचने में व्यस्त रहते हैं। 2022 में विधानसभा चुनाव के बाद बोर्ड परीक्षाएं करवाई गई थीं।

दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली महिला का दर्द, देवकीनंदन ठाकुर बोले- पवन देव मेरा शिष्य नहीं

'कथावाचक गिरफ्तार नहीं हुआ तो योगी से शिकायत करूंगी'

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या के कथावाचक पवन देव महाराज (42) दुष्कर्म की FIR के बाद से फरार हैं। उनकी तलाश में पुलिस जगह-जगह दबिश दे रही है। इसी बीच, पीड़ित का भाई कथावाचक के समर्थन में सामने आया है। उसने सोमवार को SSP को शिकायत देकर बहन पर ही कथावाचक को झूठे मुकदमे में फंसाने का आरोप लगाया। कहा- बहन पवन देव महाराज से 30 लाख रुपये ऐंठना चाहती थी।

इधर, पीड़ित महिला से बातचीत में भाई के आरोप को झूठा करार दिया। कहा- पवन देव महाराज ने मेरे घर को बर्बाद कर दिया। अगर मुझे न्याय नहीं मिला तो महिला आयोग और सीएम योगी से मिलूंगी और कार्रवाई की मांग करूंगी।

पवन देव महाराज, आरोपी कथावाचक

कथावाचक पवन देव खुद को कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का शिष्य बताते हैं। इस पर जब देवकीनंदन ठाकुर से सवाल किया तो उन्होंने कहा-मैं पवन देव महाराज को नहीं जानता। उनसे कभी नहीं मिला। उन्होंने मुझे अपना गुरु क्यों बताया। इस बारे में उन्हें कुछ भी मालूम नहीं है। वे न तो किसी को अपना शिष्य बनाते हैं, न ही कथा वाचन का प्रशिक्षण देते हैं।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अम्मू के साथ कथावाचक पवन देव।

बिहार के सीवान जिले की एक महिला ने बताया- जुलाई 2023 में पवन देव महाराज मेरे गांव में कथा करने पहुंचे थे। तब खुद को वृंदावन निवासी बताते थे। दावा करते थे कि वे देवकीनंदन ठाकुर के शिष्य हैं। महिलाओं को ₹मैया₹ कहकर बुलाते थे। कुछ महीने बाद दोबारा कथा के लिए आए तो उन्होंने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया और वॉट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी।

> **मामला जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर बीकापुर क्षेत्र का है। महिला ने अयोध्या में रहने वाले कथावाचक पवन देव महाराज पर रेप, मारपीट, धमकी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए। महिला की शिकायत पर बीकापुर कोतवाली पुलिस ने शनिवार (6 जून) रात मुकदमा दर्ज किया था।**

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद उन्होंने अयोध्या बुलाकर वीआईपी दर्शन कराने का भरोसा दिया। उसके बाद मेरे साथ दुष्कर्म किया। मैं जब अयोध्या आई तो मुझे पवन देव की असलियत का पता चला। मालूम पड़ा कि पवन देव महाराज का घर अयोध्या में है। वो वृंदावन के रहने वाले नहीं हैं।

इधर, मेरे अफेयर के बारे पति को पता चला तो उन्होंने विरोध किया। इसके बाद कथावाचक ने मुझे पिस्तौल दिया। कहा- जाकर अपने पति की हत्या कर दो। अगर जेल जाना पड़ा तो वह छुड़वा देगा।

दुष्कर्म का केस दर्ज होने के डर से पवन देव डरा हुआ है। उसने पैसे देकर अपनी साजिश में मेरे भाई को भी शामिल कर लिया। इससे पहले भी पवन देव महाराज उसके घर आकर भाई के साथ मिलकर मारपीट कर चुके हैं, मोबाइल फोन तोड़ चुके हैं और जबरन उसका वीडियो भी बनाया था।

मेरे भाई से 8 जून को SSP को तहरीर देकर मेरे ऊपर झूठा आरोप लगवाया है। तहरीर में उसने आरोप लगाया है कि मैंने साजिश के तहत पवन देव महाराज से 30 लाख रुपये ऐंठने के लिए झूठा केस कराया।

पोते ने संपत्ति के लिए दादा को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेठी जिला। अमेठी पुलिस ने सोमवार सुबह हुई एक बुजुर्ग की हत्या का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में मृतक के नाबालिग पोते सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है जिसमे दो नाबालिक है। हत्या का कारण 85 लाख रुपये के मुआवजे को लेकर चल रहा विवाद बताया जा रहा है।

जगदीशपुर थाना क्षेत्र के लोढियावां गांव निवासी 75 वर्षीय हीरालाल दुबे की सोमवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी के निर्देश पर गठित टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त सुशील कुमार यादव उर्फ विनय यादव को गिरफ्तार किया और दो बाल अपचारियों को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में बाल अपचारी पोते ने बताया कि मृतक हीरालाल दुबे को 2016-17 में हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण के बदले 85 लाख रुपये का मुआवजा मिला था। इसमें से 30 लाख रुपये एलआईसी में फिक्स थे और 5 लाख रुपये गांव के एक व्यक्ति को दिए गए थे, जो इसी महीने मिलने वाले थे। दो दिन पहले इसी पैसे को लेकर विवाद हुआ था। पोते ने बताया कि उसके पिता की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। दादा हीरालाल दुबे अपनी सारी संपत्ति भतीजे वीरेन्द्र को देने वाले थे, जिससे वे लोग बेघर हो जाते।

अमेठी में जमीन भतीजे के नाम करने वाले थे, 3 गिरफ्तार

जांच : मां के ब्रह्मभोज पर सीने में गोली मारी ■ मंगेतर चीखने-चिल्लाने लगी

गोरखपुर में बड़े भाई ने छोटे को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में मां के ब्रह्मभोज के दिन में बड़े भाई ने छोटे भाई की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बड़ा भाई घर से भाग गया। हत्या के बाद मझले भाई ने बड़े भाई की स्कूटी को फावड़े से तोड़ दिया। खून से लथपथ छोटे भाई को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मई में छोटे भाई सत्यप्रकाश उर्फ शुभम शर्मा (23) की इंगेजमेंट हुई थी। फरवरी- 2027 में उसकी शादी होनी थी। मौत की सूचना पर शुभम की मंगेतर वहां पहुंचकर चीखने-चिल्लाने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मामला मंगलवार दोपहर पिपराइच थाना क्षेत्र का है।

जंगल धूषण बड़की रेतवाहिया गांव में कोमल शर्मा रहते हैं। उनकी पत्नी सावित्री देवी की 16 दिन पहले मौत हो गई थी। मंगलवार को परिवार उनका तेरहवीं संस्कार कर रहा था। दोपहर करीब 12:30 बजे सावित्री के बड़े बेटे दुर्गविजय शर्मा और छोटे बेटे भाई शुभम के बीच ब्रह्मभोज में खर्च होने वाले रुपए को लेकर झगड़ा हो गया। धीरे-धीरे बात बढ़ती गई और दुर्गविजय मारपीट पर उतारू हो गया। गुस्से में आकर दुर्गविजय शर्मा ने छोटे भाई शुभम को गोली मार दी। सीने में गोली लगने से शुभम गंभीर रूप से घायल हो गया। घरवाले उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया।

शुभम की हत्या के बाद मंगेतर उसके घर पहुंची। वह चीख चीखकर रोने लगी। फरवरी में दोनों की शादी होनी थी।

चार भाइयों ने मिलकर किया था ब्रह्मभोज का इंतजाम

गांववालों ने बताया कि इस परिवार में 4 भाई थे। सबसे बड़ा दुर्गविजय है। फिर श्यामू, सोनू और सबसे छोटा शुभम था। दुर्गविजय गांव में 500 मीटर दूरी पर अलग घर बनाकर अपने परिवार के साथ रहता है। उसके साथ छोटा भाई सोनू भी रहता है।

इसके अलावा श्यामू और शुभम अपने पिता कोमल शर्मा के अलग घर में रहते थे। चारों ने मिलकर ब्रह्मभोज का इंतजाम किया था। मां की मौत के बाद मंगलवार को ब्रह्मभोज का कार्यक्रम रखा गया था।

घरवाले शोक में डूबे थे। लेकिन, आयोजन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई की जान चली गई। मां के ब्रह्मभोज वाले दिन हुई इस घटना से पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया है।

शुभम प्रॉपर्टी का काम करता था

शुभम प्रॉपर्टी डीलर था। मई महीने में गोरखनाथ मंदिर में उसकी इगेंजमेंट हुई थी। जबकि आरोपी बड़ा भाई दुर्गविजय ऑटो चलाता था। वारदात के बाद दुर्गविजय की पत्नी की हालत भी बिगड़ गई। उसे सीएचसी पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद पुलिस सुरक्षा में उसे रखा गया है।

एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि चचेरे भाई मनोज शर्मा की तहरीर पर आरोपी दुर्गविजय शर्मा के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी के परिजनों और साले को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस की 3 टीमें आरोपी दुर्गविजय की तलाश में जुटी हैं।

अवैध खनन व रात्रिकालीन मिट्टी परिवहन पर सख्त कार्रवाई करें

अवैध कट बंद कर सड़क सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें - डीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद से होकर गुजरने वाले किसी भी राष्ट्रीय अथवा राज्य राजमार्ग पर कोई भी अवैध कट न रहे। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर सभी अवैध कटों को चिन्हित करते हुए तत्काल बंद कराया जाए तथा संबंधित विभाग नियमित निगरानी सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने हैदरगढ़/सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित दुर्घटना बाहुल्य स्थलों की विशेष समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वहां रम्बल स्ट्रिप, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, स्पीड कंट्रोल उपायों सहित सभी सड़क सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनपद की सभी प्रमुख सड़कों का क्रमवार सर्वे कराया जाए तथा दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों की पहचान कर कार्ययोजना तैयार करते हुए आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए।

जिलाधिकारी ने अवैध मिट्टी खनन के विरुद्ध सतत अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही के साथ-साथ डंपरों के सीलिंग की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्थलों पर वैध खनन की अनुमति प्रदान की जाए, उनके परिवहन मार्ग पूर्व निर्धारित किए जाएं तथा अनुमोदित मार्गों का ही उपयोग सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार का मिट्टी खनन अथवा मिट्टी परिवहन रात्रिकाल में न किया जाए। इसके लिए संबंधित विभाग संयुक्त रूप से निगरानी रखें तथा नियमों के उल्लंघन की स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्रवाई करें। बैठक में जॉइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम नवाबगंज सुश्री गुंजिता अग्रवाल, सीओ ट्रैफिक आलोक पाठक, एआरटीओ , लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, खनन विभाग, पुलिस विभाग तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रों पर पहुंचे जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा से लेकर सीसीटीवी निगरानी तक परखी व्यवस्थाएं

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा पर प्रशासन की पैनी नजर

समीक्षा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 के दूसरे दिन मंगलवार को जिले के परीक्षा केंद्रों पर प्रशासनिक सतर्कता देखने को मिली। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने विभिन्न केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज अकबरपुर, सर्वोदय इंटर कॉलेज कोटवा मोहम्मदपुर तथा

जी.के. जेटली इंटर कॉलेज शहजादपुर समेत विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा कक्षों की तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने केंद्रों पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेटों और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को भी पूरी सतर्कता के साथ दायित्व निभाने के निर्देश दिए। परीक्षा से जुड़े प्रत्येक बिंदु पर नियमित निगरानी बनाए रखने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए केंद्रों पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।

■ प्रशासन की ओर से परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों पर निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखी गई है। निरीक्षण के दौरान संबंधित सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सीसीटीवी निगरानी पर विशेष जोर

निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की भी जांच की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा अवधि के दौरान कैमरों की निगरानी लगातार जारी रहे और किसी भी स्तर पर ढिलाई न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रवेश द्वार से परीक्षा कक्ष तक हुई पड़ताल

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने केंद्रों पर अभ्यर्थियों की जांच व्यवस्था को देखा। प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित हो रही है या नहीं, इसकी जानकारी ली गई। परीक्षा केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से भी आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। परीक्षा कक्षों में बैठने की व्यवस्था, गोपनीय सामग्री की सुरक्षा और परीक्षा संचालन से जुड़े अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों से व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शासन के निर्देशों के पालन पर फोकस

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

जनगणना की दौड़ में जिले ने बढ़ाए कदम
84.4 फीसदी मकान सूचीकरण पूरा
समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने तय की आगे की रणनीति

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत संचालित मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य अब निर्णायक चरण की ओर बढ़ रहा है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। बैठक में सामने आए आंकड़ों के अनुसार जनपद में अब तक 84.4 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जिसके साथ अंबेडकरनगर ने प्रदेश स्तर पर अपनी स्थिति को मजबूत किया है।

जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु सहित जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों

ने भाग लिया। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु शेष कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करना और फील्ड स्तर पर कार्य की गति को और तेज करना रहा।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक है। इसके आधार पर ही भविष्य की विकास योजनाएं तैयार होती हैं और संसाधनों का वितरण सुनिश्चित किया जाता है। ऐसे में आंकड़ों की शुद्धता और विश्वसनीयता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

तहसीलवार रिपोर्ट पर हुई गहन समीक्षा

बैठक में जनपद की सभी तहसीलों और चार्ज क्षेत्रों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने क्षेत्रवार उपलब्धियों और शेष कार्यों की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान बताया गया कि 9 जून 2026 तक निर्धारित लक्ष्य का 84.4 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा इस उपलब्धि के साथ जनपद उत्तर प्रदेश में 30वें स्थान पर है। जिलाधिकारी ने प्रगति को संतोषजनक बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि लक्ष्य प्राप्ति तक इसी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि जहां कार्य की गति अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष निगरानी और

फास्ट न्यूज

प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान में कार्रवाई तेज

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे व्यापक प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान के तहत मंगलवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने शहर में सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल सामग्री जब्त की गई, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया।

बड़े मंगल पर सिंह ऑटोमोबाइल परिसर में सजा आस्था का दरबार

अम्बेडकरनगर। ज्येष्ठ माह के छठवें बड़े मंगलवार पर मालीपुर रोड स्थित सिंह ऑटोमोबाइल परिसर में विशाल भंडारा एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक वातावरण और श्रद्धा का भाव देखने को मिला। सुबह से ही परिसर में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। भगवान के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और परिवार तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

पिपरमेंट की भट्ठी पर बड़ा हादसा

अम्बेडकरनगर। टांडा कोतवाली क्षेत्र के कोडरा गांव में मंगलवार को पिपरमेंट पकाने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। पिपरमेंट निकालने की प्रक्रिया के बीच अचानक टंकी फट गई, जिससे वहां काम कर रहे एक ही परिवार के तीन लोग झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान में कार्रवाई तेज
प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल जब्त

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे व्यापक प्लास्टिक उन्मूलन महाअभियान के तहत मंगलवार को नगर पालिका परिषद अकबरपुर और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की संयुक्त टीम ने शहर में सघन जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान प्रतिबंधित पॉलिथीन और थर्माकोल सामग्री जब्त की गई, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले दो दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। नगर पालिका परिषद की टीम ने अवर अभियंता (जलकल) शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन रोड और मुरादाबाद ओवरब्रिज के नीचे स्थित दुकानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और फुटपाथ विक्रेताओं की जांच की। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री का

उपयोग और भंडारण पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान दुकानदारों और वेंडरों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। टीम ने व्यापारियों को शासन के निर्देशों का पालन करने और प्रतिबंधित सामग्री का उपयोग बंद करने की चेतावनी भी दी। जांच के दौरान जब्त की गई पॉलिथीन और थर्माकोल सामग्री को नगर पालिका के कब्जे में लिया गया। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले दो दुकानदारों से जुर्माना भी वसूला गया।

समीक्षाः जिला अस्पताल की सेहत सुधारने पर मंथन
रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुलभ और मरीजों के अनुकूल बनाने को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शासी निकाय रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता और कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद की उपस्थिति में हुई बैठक में जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं, चिकित्सकीय संसाधनों, मानव संसाधन और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में जिला अस्पताल की ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं, चिकित्सकों और स्टाफ नर्सों की

उपलब्धता, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं तथा अस्पतालों के संचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति और आवश्यक सुधारों की जानकारी प्रस्तुत की। भीषण गर्मी और हीटवेव की परिस्थितियों को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय के वार्डों और अन्य आवश्यक स्थानों पर जरूरत के अनुसार कूलर स्थापित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आने वाले मरीजों और तीमारदारों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं।

अस्पताल परिसर में पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं को भी प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता पर विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय में एक स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक एनेस्थेटिस्ट और एक ईएमओ को नियमानुसार संबद्ध किए जाने के निर्देश दिए।

किसान संगोष्ठी में योजनाओं और आधुनिक खेती पर चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कृषि विभाग की ओर से विकासखंड कटेहरी के ग्रामसभा यरकी में सोमवार को किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को कृषि क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों और विभागीय सुविधाओं की जानकारी दी गई। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य डॉ. हरिओम पांडेय ने केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित किसान कल्याण योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं लागू कर रही है। संगोष्ठी में किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, अनुदान कार्यक्रमों, उन्नत बीज,

■ यरकी में आयोजित कार्यक्रम में एमएलसी डॉ. हरिओम पांडेय ने किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सुविधाओं और फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया। उपनिदेशक कृषि डॉ. अश्वनी सिंह ने विभागीय कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए किसानों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि विभाग किसानों तक तकनीकी जानकारी और सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है।

'न्याय की चौखट' पर रिश्वत का आरोप
भूमि विवाद की जांच के दौरान 20 हजार रुपये मांगने का दावा

■ रकम न देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मालीपुर थाना एक बार फिर गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा में है। थाना क्षेत्र के अवधना इस्माइलपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस के दो कर्मियों पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी जलालपुर से शिकायत की है। शिकायत में कहा गया है कि भूमि विवाद की जांच के दौरान 20 हजार रुपये की मांग की गई और रकम न देने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। शिकायत सामने आने के बाद थाना क्षेत्र में मामले को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और मामले की जांच होना बाकी है।

अवधना इस्माइलपुर निवासी जमालुद्दीन द्वारा क्षेत्राधिकारी जलालपुर को दिए गए प्रार्थना पत्र के

पहले भी चर्चा में रहा है थाना

मालीपुर थाना पूर्व में भी कुछ शिकायतों और आरोपों को लेकर चर्चा में रहा है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि समय-समय पर सामने आने वाली शिकायतों की पारदर्शी जांच होने से जनता का भरोसा और मजबूत होगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य मानने से पहले उसकी विधिवत जांच पूरी की जाए।

अनुसार गांव की घूर-गड्ढे की भूमि पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसने मामले की जानकारी पुलिस को दी थी, जिसके बाद जांच के लिए पुलिसकर्मी गांव पहुंचे। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि जांच के दौरान मामले को ₹निपटाने₹ के नाम पर 20 हजार रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि जब उसने रकम देने से इनकार किया तो उसे फर्जी मुकदमे में फंसाने की चेतावनी दी गई। मामले को लेकर क्षेत्राधिकारी जलालपुर अनूप कुमार सिंह ने कहा कि उनके संज्ञान में अभी ऐसा कोई मामला नहीं आया है। यदि शिकायत प्राप्त होती है तो उसकी जांच कराई जाएगी और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरा मामला शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों पर आधारित है। अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जांच की प्रक्रिया में क्या तथ्य सामने आते हैं और संबंधित अधिकारियों की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला पुलिस व्यवस्था की जवाबदेही से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रश्न बन सकता है।

शिकायत ने खड़े किए कई सवाल

पुलिस पर लगाए गए आरोपों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आमतौर पर लोग विवादों के समाधान और न्याय की उम्मीद लेकर पुलिस तक पहुंचते हैं। ऐसे में यदि किसी शिकायतकर्ता द्वारा इस तरह के आरोप लगाए जाते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है।

स्थानीय लोगों के बीच भी इस मामले की चर्चा है। कई लोगों का कहना है कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जानी चाहिए, ताकि आरोप सही हैं या निराधार, यह स्पष्ट हो सके।

मातृ वंदना और पुष्टाहार योजना के नाम पर हो रहे फर्जी कॉल
लाभार्थियों से ओटीपी और बैंक विवरण मांगने वालों से सतर्क रहने की अपील

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पुष्टाहार योजना और अन्य विभागीय योजनाओं के लाभार्थियों को साइबर ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी है। विभाग को मिली शिकायतों के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सार्वजनिक सूचना जारी कर लाभार्थियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को जागरूक रहने की अपील की है।

विभाग के अनुसार हाल के दिनों में कुछ अज्ञात व्यक्ति मोबाइल फोन के माध्यम से लाभार्थियों से संपर्क कर स्वयं को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग अथवा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का अधिकारी या कर्मचारी बता रहे हैं। कॉल करने

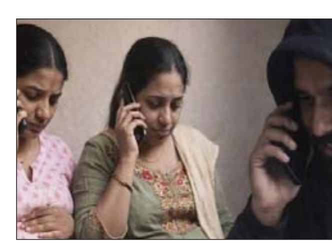

वाले लोग लाभार्थियों का विश्वास जीतने के लिए आधार संख्या के अंतिम चार अंकों की जानकारी भी साझा कर रहे हैं।

शिकायतों में सामने आया है कि फर्जी कॉल करने वाले लोग योजना की धनराशि जारी कराने, भुगतान सत्यापन कराने, आधार अपडेट करने अथवा अन्य विभागीय प्रक्रिया पूरी कराने का दावा करते हैं। इसके बाद वे लाभार्थियों से मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी साझा करने के लिए कहते हैं।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की कॉल पूरी तरह भ्रामक हैं और साइबर ठगी का हिस्सा हो सकती हैं। ऐसे मामलों में लोगों को किसी भी प्रकार की जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अथवा किसी अन्य विभागीय योजना के अंतर्गत लाभार्थियों से फोन पर कभी भी ओटीपी, बैंक खाता संख्या, यूपीआई पिन, पासवर्ड अथवा अन्य गोपनीय जानकारी नहीं मांगी जाती है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विभागीय अधिकारी बताकर व्यक्तिगत जानकारी मांगता है तो उसकी सत्यता संबंधित परियोजना कार्यालय या विभागीय अधिकारियों से अवश्य जांच लेनी चाहिए।

जिलाध्यक्ष से मिले जलालपुर नगर के पदाधिकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव से मंगलवार को जलालपुर नगर इकाई के पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के साथ उनकी भेंट की तस्वीर भी भेंट की।

जिलाध्यक्ष के आवास स्थित कार्यालय पर आयोजित मुलाकात के दौरान संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने और पार्टी की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा की।

■ संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और जनसरोकार के मुद्दों पर हुई चर्चा

बैठक में मौजूद नेताओं ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से लगातार मजबूत हो रहा है। आने वाले दिनों में पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे।

इस दौरान संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की भूमिका और विभिन्न मोर्चों की गतिविधियों को लेकर भी चर्चा हुई।

उपचार : जटिल न्यूरोसर्जरी से चार वर्षीय बालिका को मिला नया जीवन

मौत से जंग जीतकर लौटी साक्षी

छत से गिरने के बाद सिर में आई गंभीर चोट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। एक गंभीर हादसे के बाद जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही चार वर्षीय बालिका को चिकित्सकों के प्रयासों ने नई उम्मीद दी। छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुई साक्षी यादव का पूर्वांचल मेडिसिटी हॉस्पिटल में सफल न्यूरोसर्जरी के माध्यम से उपचार किया गया। अब बालिका की स्थिति सामान्य बताई जा रही है और वह पहले की तरह चलने-फिरने लगी है। सुखारीगंज निवासी संजीत यादव की पुत्री साक्षी यादव कुछ दिन पहले घर की छत से नीचे गिर गई थी। परिजनों के अनुसार हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची के सिर में गहरी चोट आई और उसकी कई हड्डियां क्षतिग्रस्त हो गईं। चोट की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से

लगाया जा सकता है कि सिर के अंदरूनी हिस्से भी प्रभावित हुए थे। घटना के बाद परिवार उसे तत्काल उपचार के लिए पूर्वांचल मेडिसिटी हॉस्पिटल लेकर पहुंचा। चिकित्सकों की टीम ने सर्जरी के माध्यम से सिर की गंभीर चोटों का उपचार किया। ऑपरेशन के बाद बालिका को विशेष निगरानी में रखा गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार उपचार के बाद उसकी स्थिति में लगातार सुधार देखा गया। मुख्य न्यूरोसर्जन डॉ. मोहम्मद अरशद ने बताया कि बच्ची को अत्यंत गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। समय पर उपचार और सर्जिकल हस्तक्षेप से उसकी जान बचाई जा सकी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में बालिका खतरे से बाहर है और उसकी रिकवरी संतोषजनक है। चिकित्सकों के अनुसार साक्षी अब सामान्य गतिविधियां करने लगी है। उसकी स्वास्थ्य स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है। नियमित चिकित्सकीय परामर्श के साथ उसका उपचार आगे भी जारी रहेगा।

आपात स्थिति में शुरू हुआ उपचार

अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने बच्ची की स्थिति का तत्काल आकलन किया। जांच में सिर में गंभीर चोट की पुष्टि होने के बाद न्यूरोसर्जरी की तैयारी शुरू की गई। अस्पताल के मुख्य न्यूरोसर्जन डॉ. मोहम्मद अरशद के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उपचार की जिम्मेदारी संभाली।

डॉक्टरों के अनुसार मामला चुनौतीपूर्ण था और समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप बेहद आवश्यक था। आवश्यक जांच और चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के बाद सर्जरी की गई।

हंगामा वाटर पार्क की व्यवस्थाओं पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। गर्मी की छुट्टियों के बीच बरियावन बाजार स्थित हंगामा वाटर पार्क में आने वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसी के साथ पार्क की शुल्क व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं को लेकर शिकायतें भी सामने आने लगी हैं। परिवार के साथ पहुंचे कई आगंतुकों ने बच्चों के टिकट, लॉकर शुल्क और कॉस्ट्यूम व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। शिकायतों के बाद मामले की जांच कराने की बात कही गई है। वाटर पार्क पहुंचे कुछ परिजनों का आरोप है कि परिसर में लगे शुल्क बोर्ड पर वयस्कों और बच्चों के लिए अलग-अलग दरें अंकित हैं, लेकिन व्यवहार में इसका पालन नहीं किया जा रहा। उनका कहना है कि बच्चों के लिए निर्धारित शुल्क के बजाय कई मामलों में पूरा शुल्क लिया जा रहा है।

आगंतुकों का यह भी आरोप है कि

■ शुल्क वसूली, बच्चों के टिकट और सुविधाओं को लेकर आगंतुकों ने उठाए मुद्दे, जांच की बात

बच्चों की आयु या लंबाई को लेकर कोई स्पष्ट मानक सार्वजनिक रूप से नहीं बताया गया है। इससे टिकट काउंटर पर भ्रम की स्थिति बन रही है। कुछ परिजनों ने कहा कि छोटे बच्चों के लिए भी पूर्ण शुल्क लिए जाने से उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। वाटर पार्क में आने वाले लोगों ने लॉकर और कॉस्ट्यूम सुविधा को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि इन सुविधाओं के लिए अलग से शुल्क लिया जा रहा है।

सम्पादकीय

तृणमूल में एक और टूट

जैसी आशंका थी, तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्यों ने भी ममता बनर्जी के खिलाफ बगावत कर दी। इसके पहले इस दल के 80 में से करीब 60 विधायक अलग गुट बनाकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का चयन कर चुके हैं। टीएमसी के लोकसभा सदस्यों में टूट की खबरें ममता बनर्जी के लिए एक बड़ा झटका है। लगता है अब उनके हाथ से पार्टी भी जाएगी और उसका चुनाव चिह्न भी-ठीक उसी तरह जैसे महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना के साथ हुआ था।

चूंकि टीएमसी के जिन 20 सांसदों ने संसद में अपने बैठने की अलग व्यवस्था करने की मांग करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को समर्थन देने की इच्छा व्यक्त की, उनमें से कई के नाम सामने आ चुके हैं और उन्होंने अपने नेता के तौर पर काकोली घोष दस्तीदार को मान्यता देने को भी कहा, इसलिए लगता नहीं कि ममता अपनी पार्टी को बचा पाएंगी। टीएमसी सांसदों के अलगाव की राह विपक्षी दलों के मोर्चे आइएनडीआइए के लिए भी एक बड़ा झटका है। उसे यह झटका एक ऐसे समय लगा, जब लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में उसकी बैठक हो रही थी। ज्ञात हो कि डीएमके पहले ही इस गठबंधन से बाहर होने की घोषणा कर चुकी है। साफ है कि टीएमसी के साथ आइएनडीआइए की भी आगे की राह कठिन होने वाली है।

किसी के लिए भी इसकी कल्पना करना कठिन था कि विधानसभा चुनाव के एक माह के अंदर तृणमूल कांग्रेस इतनी बुरी तरह बिखर जाएगी, लेकिन ऐसा ही हो रहा है। इससे यही सिद्ध होता है कि जिन राजनीतिक दलों की कोई विचारधारा नहीं होती और जो परिवारवाद के सहारे चलने लगते हैं, उनका भविष्य अधिक समय तक उज्ज्वल नहीं रहता।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि टीएमसी के अधिकतर नेता दूसरे दलों से आए थे। ममता बनर्जी का राजनीतिक कुनबा केवल इसलिए नहीं बिखरा, क्योंकि उनके साथ आए अधिकतर नेता दूसरे दलों के थे। यह इसलिए भी बिखरा, क्योंकि ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को पार्टी पर थोप दिया था। ममता से अधिक मनमाना रवैया अभिषेक बनर्जी का था और यही तृणमूल कांग्रेस शासन के कुशासन में तब्दील होने का एक बड़ा कारण रहा। यदि ऐसा नहीं होता तो विधानसभा चुनाव में उसे इतनी बुरी पराजय का सामना नहीं करना पड़ता। चुनाव नतीजों के बाद से बंगाल से टीएमसी शासन के भ्रष्टाचार और मनमानेपन की जैसी खबरें आ रही हैं, वे यही बताती हैं कि राज्य में एक तरह का जंगलराज कायम हो गया था। टीएमसी को बंगाल की उसी जनता ने सत्ता से उखाड़ फेंका, जिसने उसे तीन बार जिताया। टीएमसी में नए सिरे से टूट जहां विपक्षी गठबंधन के लिए आघातकारी है, वहीं सत्ता पक्ष को राहत देने वाली। टीएमसी सांसदों में औपचारिक विभाजन लोकसभा में एनडीए के बहुमत के आंकड़े को तीन सौ के पार ले जा सकता है।

दु:खी कौन ?

सागर के किनारे खड़े होकर लहरों को निहारना एक बात है और समंदर के भीतर उतरकर लहरों के साथ खेलना अलग बात है ।

जाहिर है जो खतरे उठाकर समंदर में उतरते हैं वही मोती पाते हैं। और जो किनारों पर खड़े-खड़े लहरों को निहारते रहते हैं उनके हाथ कंकड़-पत्थर ही आते हैं। किसी ने पूछा की संसार में सब से अधिक दुःखी प्राणी कौन है ? तो पूछने पर उत्तर मिला कि बेचारी मछलियां क्योंकि दुःख के कारण उनकी आंखों में आने वाले आंसू पानी में घुल जाते हैं । वह किसी को दिखते नहीं हैं । अतः वे सारी सहानुभूति और स्नेह से वंचित रह जाती हैं । वह सहानुभूति के अभाव में तो कण मात्र दुःख भी पर्वत हो जाता है। हर काल में नये-पुराने विचारों में संघर्ष चलते ही रहते हैं ।क्योंकि बहुतों के लिए पुराने विचारों को छोड़ नई सोच को स्वीकार करना दुष्कर हो जाता है । हम सबको हठधर्मी छोड़ नये विचार पर विवेकपूर्वक चिन्तन करना चाहिए। और हमको बेझिझक मन टिका कर सहर्ष स्वीकार कर लेना चाहिए । यहां हठधर्मी न पुरातन लोगों को करनी चाहिए, न नये विचार वर्तमान पीढ़ी पर बिना चिन्तन थोपने की भूल करनी चाहिए। नई पीढ़ी इस विवेक से नहीं चलती है इसीलिए नई-पुरानी पीढ़ी में दूरी बढ़ती है और पुरानी पीढ़ी दकियानूसी करार दी जाती है।अतः उचित है नई पीढ़ी पुराने लोगों को साथ लेकर चले। उनके अनुभवों का लाभ ले। दोनों के सामंजस्य से ही समाज और देश आगे बढ़ेगा। अन्यथा हो सकता है नई पीढ़ी अंधानुकरण कर गर्त में गिरती जाये और पुरानी पीढ़ी से दूरी बढ़ती जाये। हम अपने जीवन में हर जगह संतुलन अपनाते हैं तो जीवन हमेशा आनंदित रहेगा।

› प्रदीप छाजेड़

नेत्रदान: अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

> 66 नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी।

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

- ललित गर्ग

पीएम मोदी के इस...

कमलेश पांडेय

आखिर 12 वर्षों में राष्ट्रवादी सपनों के शहंशाह कैसे बने पीएम नरेंद्र मोदी?

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 12 वर्षीय शासनकाल (2014-2026) कई मायने में महत्वपूर्ण है। यह स्वतंत्र भारत के सबसे प्रभावशाली और बहसयोग्य राजनीतिक दौरों में से एक माना जाता है, जिसका बहुआयामी प्रभाव आने वाले दशकों तक भारतीय राजनीति, शासन और चुनावी संस्कृति पर दिखाई दे सकता है।

पीएम मोदी के इस शासनकाल का भारतीय राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ा है। इसलिए जहां समर्थक इसे निर्णायक नेतृत्व, विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा का काल बताते हैं। वहीं, आलोचक लोकतांत्रिक संस्थाओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और आर्थिक चुनौतियों पर प्रश्न उठाते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो मोदी काल ने भारतीय राजनीति को गठबंधन-प्रधान युग से व्यक्तित्व-केंद्रित और राष्ट्रव्यापी चुनावी राजनीति की ओर मोड़ा। लिहाजा, आने वाले वर्षों में यह आकलन होगा कि यह परिवर्तन स्थायी राजनीतिक पुनर्गठन सिद्ध होता है या फिर भारतीय राजनीति फिर किसी नए संतुलन की ओर बढ़ती है।

पहला, लगातार तीन लोकसभा चुनावों में विजय हासिल करना: 2014 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आगमन के बाद फिर 2019 में भी मोदी के नेतृत्व में एक और बड़ी जीत दर्ज की गई। जबकि 2024 में तमाम राजनीतिक विरोधाभासों के बीच भी उन्होंने एनडीए गठबंधन के सहारे पुनः अपनी सरकार का गठन कर लिया और कांग्रेस व क्षेत्रीय पार्टियों का गठजोड़ (इंडिया गठबंधन) देखता ही रह गया। इसलिए कहा जाने लगा कि स्वतंत्र भारत में जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीन आम चुनाव जीतकर सत्ता में लौटने वाले चुनिंदा प्रधान-मंत्रियों में मोदी शामिल हो गए, जबकि इंदिरा गांधी के अलावा कोई अन्य प्रधानमंत्री उनके व्यक्तित्व के मुकाबिल नहीं बचा।

दूसरा, भाजपा का अभूतपूर्व राष्ट्रीय विस्तार: पीएम मोदी के कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वोत्तर, पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के कई क्षेत्रों में अपना सियासी प्रभाव बढ़ाया। इससे भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में गिनी जाने लगी और उसका जनाधार भी व्यापक हुआ।

तीसरा, केंद्रित नेतृत्व मॉडल: भारतीय राजनीति में व्यक्तित्व-आधारित चुनावी राजनीति को नई ऊंचाई मिली। फलस्वरूप राष्ट्रीय चुनावों में स्थानीय मुद्दों की तुलना में प्रधानमंत्री की छवि अधिक प्रभावशाली बनी। इससे विपक्ष के सामने अकेले-अकेले अस्तित्व रक्षा की चुनौती खड़ी हो गई। 2014 और 2019 में कांग्रेस को नेता, प्रतिपक्ष का दर्जा तक नहीं मिला। हालांकि, 2024 में इंडिया गठबंधन के सहारे कांग्रेस अपनी सियासी साख बचा पाई और उसके नेता राहुल गांधी को लोकसभा में नेता, प्रतिपक्ष का संवैधानिक दर्जा मिला, क्योंकि इस बार उनके पास 10 प्रतिशत से ज्यादा लोकसभा सदस्य हैं। पहला, अनुच्छेद 370 हटाना: रिवोकेशन ऑफ आर्टिकल 370 भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक माना जाता है। यह उनके पूर्ववर्तियों के लिए एक जटिल फैसला समझा जाता था। दूसरा, राम मंदिर निर्माण: हिंदुओं की आस्था का प्रतीक और 500 वर्षों से लटके हुए राम मंदिर का निर्माण और उद्घाटन भाजपा के लंबे राजनीतिक एजेंडे की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी गई। जबकि उनके पूर्ववर्तियों के लिए यह महज तुष्टिकरण का हथियार बना हुआ था। तीसरा, जीएसटी और डिजिटल शासन: मोदी सरकार के दौरान गुड्स एंड सर्विसेस टैक्स रोलआउट, डिजिटल भुगतान, यूपीआई और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण का विस्तार हुआ, जिससे अर्थव्यवस्था को अप्रत्याशित रूप से गति मिली। विकसित देशों के तमाम भारत विरोधी तिकड़मों के बावजूद आज भारत मजबूती पूर्वक आगे बढ़ रहा है।

चौथा, वैश्विक कूटनीति: मोदी के कार्यकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका मजबूत हुई। उन्होंने गुटनिरपेक्षता के पथ पर चलते हुए रणनीतिक और कूटनीतिक स्वायत्तता पर बल दिया है ताकि भारत का अंतरराष्ट्रीय हित सुरक्षित रहे।इस नजरिए से जी-20 न्यू डेल्ही समिट की मेजबानी को बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि माना गया।

नीली क्रांति से संवरती हाथरस की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्वावलंबन की नई राह

उत्तर प्रदेश में नीली क्रांति को गति देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में केंद्र व राज्य सरकार की मत्स्य संपदा योजनाएं मील का पत्थर साबित हो रही हैं। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक मछुआरों, मत्स्य पालकों और ग्रामीण युवाओं को आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उनकी आय को बढ़ाना है। देश में मत्स्य पालन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना संचालित की जा रही है, जो बुनियादी ढांचे के विकास और बायोफ्लॉक व रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम जैसी आधुनिक प्रणालियों को बढ़ावा देती है। इस योजना के अंतर्गत नए तालाबों की खुदाई और मत्स्य पालन की शुरुआत के लिए सरकार द्वारा भारी सब्सिडी प्रदान की जाती है। इसमें सामान्य और ओबीसी वर्ग के लाभार्थियों को इकाई लागत का 40 प्रतिशत अनुदान देय है, जबकि महिला, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों के लिए यह अनुदान बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ ही सघन मत्स्य पालन के लिए तालाबों में एयरेशन सिस्टम लगाने के लिए भी सरकार द्वारा विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है।

केंद्र की इस योजना के समांतर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विशेष रूप से राज्य के ग्रामीण अंचलों और पट्टा धारकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना चलाई जा रही है। इस योजना का मुख्य फोकस ग्राम सभा के उन तालाबों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है जिनका 10 वर्षीय पट्टा आवंटित हो चुका है। इन तालाबों के जीर्णोद्धार और इनमें उत्तम गुणवत्ता के बीज, खाद व फीड जैसी इनपुट आवश्यकताओं के लिए सभी वर्गों के लाभार्थियों को 40 प्रतिशत तक की निवेश सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त मछुआरों को पारंपरिक आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निषादराज बोट योजना के तहत लकड़ी की नाव और जाल क्रय करने के लिए सामान्य वर्ग को 40 प्रतिशत तथा महिला व अनुसूचित जाति वर्ग को 60 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के माध्यम से उत्पादित मछली को बाजार तक सुरक्षित पहुंचाने और उसकी बिक्री बढ़ाने के लिए मोपेड विद आइसबॉक्स जैसी परिवहन सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर उत्तर प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में कई प्रगतिशील उद्यमी सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। जनपद हाथरस के विकासखंड सहपऊ के ग्राम खोन्डा की निवासी श्रीमती कल्पना, जो हाईस्कूल उत्तीर्ण एक स्व-नियोजित उद्यमी हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मीठे जल में बायोफ्लॉक तालाब निर्माण की परियोजना शुरू की। इस 14 लाख रुपये की कुल लागत वाली परियोजना के लिए उन्हें विभाग की ओर से 60 प्रतिशत यानी 8.40 लाख रुपये की अनुदान सहायता प्राप्त हुई। वर्तमान में वे 0.10 हेक्टेयर क्षेत्र में पैंगेशियस प्रजाति की मछली का पालन कर रही हैं, जिससे प्रति वर्ष लगभग 100 क्विंटल का बंपर उत्पादन हो रहा है। करीब 5.50 से 6 लाख रुपये की वार्षिक निवेश लागत के साथ उनका कुल टर्नओवर 9 से 9.50 लाख रुपये तक पहुंच जाता है, जिससे उन्हें 2.50 से 3 लाख रुपये की शुद्ध वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। उनके इस प्रयास से क्षेत्र के 5 से 7 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार भी मिला है।

जरा हटके

मोटा अनाज कोदों की वैज्ञानिक खेती से श्री बलजीत सिंह को मिली नई पहचान

किसान श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री राम किशोर सिंह जनपद सीतापुर के विकास खण्ड हरगाँव के अंतर्गत आने वाले ग्राम क्योटिकला के मूल निवासी हैं और उनकी शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट है। वे कृषि संबंधी नवीन जानकारियों को समझकर व्यवहार में लाने में सक्षम रहे हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद वे स्वभाव से जिज्ञासु, मेहनती और प्रगतिशील किसान हैं, इन्होने खेती को पारम्परिक उपार्जन के बजाय आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के साथ लाभदायक व्यवसाय के रूप में अपनाया है। उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, मोटे अनाजों (मिलेट्स) सहित कोदों जैसी पौष्टिक फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने, किसानों की आय दोगुनी करने तथा "अन्नदाता से उद्यमी" बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं, कृषि यंत्रों पर अनुदान, फसल बीमा, मृदा परीक्षण एवं संवर्धन कार्यक्रमों तथा मोटे अनाजों के प्रचार-प्रसार से जनपद सीतापुर सहित प्रदेश में कोदों उत्पादन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। विकास खण्ड हरगाँव के ग्राम क्योटिकला के लगनशील कृषक श्री बलजीत सिंह की यह सफलता गाथा इन्हीं प्रयासों का प्रेरक उदाहरण है, जिन्होंने वैज्ञानिक खेती अपनाकर कोदों उत्पादन में नया कीर्तिमान स्थापित किया। श्री बलजीत सिंह लघु श्रेणी के कृषक हैं। उनके पास कुल लगभग 1.840 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है, जिसे उन्होंने समुचित योजना के साथ कोदों उत्पादन के लिए उपयोग में लिया। इतनी सीमित भूमि होने के बावजूद उन्होंने खेती को अपना मुख्य व्यवसाय मानते हुए भूमि के सूक्ष्म प्रबंधन, उचित फसल चक्र और उन्नत किस्मों के चयन के माध्यम से प्रति इकाई क्षेत्र में अधिकतम उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया। वे नियमित रूप से कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नवीनतम खेती विधा की जानकारी प्राप्त किये और कृषि विभाग द्वारा उन्हें निःशुल्क बीज किट, कीट रसायन, कृषि यन्त्र और उर्वरक दिये गये।

खेत की तैयारी में श्री बलजीत सिंह गहरी जुताई, पाटा तथा समतलीकरण पर विशेष ध्यान देते हैं, जिससे नमी संरक्षण, जल निकास और जड़ विकास बेहतर होता है। कोदों की बुवाई उन्होंने अनुशंसित कतार पद्धति से की, जिससे पौधे से पौधे तथा कतार से कतार की उचित दूरी बनी रही। वायु संचार एवं सूर्य प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हुई और पौधों की वृद्धि सुदृढ़ रही। मृदा परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाया, जिसमें नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश के साथ-साथ जैविक खाद और वर्मी कम्पोस्ट का समावेश किया। जिससे मृदा की उर्वराशक्ति में वृद्धि के साथ दीर्घकालिक स्थिरता भी बनी रहती है।

कृषि विभाग द्वारा आयोजित गोष्ठियों, प्रशिक्षणों एवं खेत दिवसों में नियमित भाग लेकर श्री बलजीत सिंह ने कोदों की उन्नत किस्मों, ट्राइकोडर्मा से बीजोपचार, उर्वरक प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी अर्जित की। उन्होंने फसल चक्र, अवशेष प्रबंधन, वर्मी कम्पोस्ट तथा जैविक विधियों को भी अपनी खेती में सम्मिलित किया, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हुई और उत्पादन लागत नियंत्रित रही। कोदों में कीटों तथा रोगों से बचाव हेतु उन्होंने अनुशंसित कीटनाशकों एवं फफूंदनाशकों का समयबद्ध प्रयोग किया, जिससे फसल स्वस्थ रहकर अपनी पूर्ण क्षमता से उत्पादन दे सकी।

डबल इंजन सरकार के प्रोत्साहन तथा कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन के बाद श्री बलजीत सिंह ने कोदों की उन्नत प्रजाति 'सी०जी० कोदो-3' को अपनाया, जो उच्च उपज क्षमता वाली प्रमाणित किस्म है। उन्होंने समय पर खेत की तैयारी, गुणवत्तायुक्त एवं शुद्ध बीज का उपयोग, अनुशंसित बीज दर, संतुलित उर्वरक एवं नमी प्रबंधन, निराई-गुड़ाई तथा कीट-रोग नियंत्रण की सम्पूर्ण वैज्ञानिक पैकेज ऑफ प्रैक्टिस को खेत में लागू किया। परिणामस्वरूप उनके खेतों में कोदों की फसल समान, मजबूत, लम्बी बालियों वाली तथा दाना भराई से परिपूर्ण दिखाई दी, जो सामान्य किसानों की फसलों की तुलना में कहीं अधिक थी। श्री बलजीत सिंह ने राज्य स्तरीय फसल प्रतियोगिता में भाग लेकर कोदों फसल श्रेणी में अपनी मेहनत और वैज्ञानिक खेती का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। क्रॉप कटिंग के आधार पर उनकी कोदों किस्म 'सी०जी० कोदो-3' से 22 कुंतल प्रति हेक्टेयर की उल्लेखनीय उपज दर्ज की गई, जो प्रदेश के औसत उत्पादन से काफी अधिक है और मोटे अनाजों की श्रेणी में एक प्रेरक उपलब्धि है। इस उत्कृष्ट उत्पादकता के आधार पर उन्हें "कोदों उत्पादन" वर्ग में प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया, जिसने न केवल उनके व्यक्तिगत आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि पूरे ग्राम क्योटिकला एवं विकास खण्ड हरगाँव का मान भी बढ़ाया। राज्य स्तरीय फसल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा श्री बलजीत सिंह को 75,000 रुपये की धनराशि, प्रशस्ति पत्र एवं शाल प्रदान कर सम्मानित किया गया। सरकार द्वारा दी गई यह सम्मान राशि उन्होंने अपनी खेती के आधुनिकीकरण, जैसे उन्नत कृषि यंत्र, बेहतर सिंचाई सुविधाएँ तथा जैविक खाद इकाई स्थापित करने में लगाने का निश्चय किया, जिससे आगे भी उनकी उत्पादकता और लाभ में वृद्धि की पूरी संभावना है। यह सम्मान ग्राम स्तर पर अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना, जो अब कोदों सहित अन्य फसलों में भी प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपनी क्षमता साबित करने के लिए उत्साहित हैं।

कानपुर देहात के किसान श्री दिग्विजय सिंह ने मक्का उत्पादन में लहराया सफलता का परचम'उत्तर प्रदेश की 'डबल इंजन सरकार', माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, किसानों की आय में वृद्धि, आधुनिक तकनीक के प्रसार तथा "अन्नदाता से उद्यमी" बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

500 और 100 रुपए के जाली नोट बरामद

13.95 लाख की नकली करेंसी के साथ 3 गिरफ्तार

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में पुलिस ने नकली करेंसी बदलने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 13.95 लाख रुपए के 500 और 100 रुपए के जाली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। डीसीपी नार्थ गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया सोमवार को पुलिस प्रधान मैरिज लॉन चौराहे के पास चेकिंग कर रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि घैला पुल के पहले दाहिनी ओर खाली मैदान में बने टीन शेड के पास 3 युवक नकली नोटों के साथ किसी व्यक्ति का इंतजार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को दबोच लिया। आरोपी आलोक सिंह और ब्रजेश बैंक में लोन दिलवाने का काम करते थे। सोनू चाय की दुकान चलाता था। पूछताछ में सामने आया तीनों आजमगढ़ के रहने वाले मंजीत नाम के व्यक्ति से नकली नोट लेते थे। जिसे अलग-अलग जगह पर खपाते थे। एक लाख के बदले 3 लाख नकली करेंसी देते थे। आरोपी लखनऊ में करेंसी किसको देने आए थे, पुलिस इसकी जांच कर रही है। आरोपी अब तक कितनी नकली करेंसी बाजार में खपा चुके हैं, इसकी भी जांच की जा रही है।

लखनऊ में बदलने से पहले पकड़े गए

आजमगढ़ के रहने वाले हैं तीनों आरोपी

पूछताछ में आरोपितों ने अपनी पहचान आजमगढ़ के जहानागंज थाना क्षेत्र के गंभीरवन निवासी आलोक सिंह (21), मुबारकपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मुबारक पट्टी वनकट निवासी सोनू गोंड उर्फ गोलू (25) और सिधारी थाना क्षेत्र के सारंगढ़ निवासी बृजेश विश्वकर्मा (35) के रूप में बताई। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से 500 रुपए के 1402 और 100 रुपए के 6946 जाली नोट बरामद हुए। कुल 13 लाख 95 हजार 600 नकली करेंसी बरामद हुई। पुलिस ने तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

तीनों आरोपी लखनऊ में नकली करेंसी खपाने आए थे।

> आरोपियों के पास से बरामद नोटों के पेपर क्वालिटी में काफी अंतर है, हालांकि इसको कोई एक्सपर्ट ही पकड़ पाएगा। आम आदमी इसे असली नोट समझकर इस्तेमाल करता है। इसके ऊपर लगने वाली मैटेलिक पट्टी भी अलग से उभरी हुई दिखती है। पुलिस अब इसको फॉरेंसिक जांच के लिए भेजेगी।

पुलिस परीक्षा देने जा रहीं लड़कियों से रेप की कोशिश

ऑटो चालक से भिड़ीं, दांत से काटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सिपाही भर्ती परीक्षा देने जा रहीं 2 महिला अभ्यर्थियों से ऑटो ड्राइवर ने रेप की कोशिश की। वह उन्हें चारबाग से आलमबाग बस स्टेशन न ले जाकर सुनसान जगह ले गया। छेड़छाड़ और मारपीट की, लेकिन दोनों लड़कियां आरोपी से भिड़ गईं। एक ने धक्का दिया और दूसरी ने दांत से उसकी उंगली काटकर शोर मचा दिया। इसी बीच एक राहगीर गुजर रहा था। उसे देखकर आरोपी भाग गया। राहगीर ने पुलिस बुलाई। पुलिस ने दोनों को ट्रेन से रायबरेली परीक्षा देने के लिए भेज दिया। पुलिस की 3 टीमें आरोपी की तलाश में लग गईं। सीसीटीवी खंगाले गए।

इसके आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान हरदोई के हसीब के रूप में की। पुलिस ने सोमवार देर रात घेराबंदी की तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई। पुलिस ने उसे इलाज के लिए रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल में भर्ती कराया है। दरअसल, लखीमपुर खीरी की रहने वाली 2 सहेलियों का सोमवार को रायबरेली में सिपाही भर्ती का पेपर था। दोनों एक दिन पहले मड़ियांव में अपने रिश्तेदार के घर रुकी थीं। FIR के मुताबिक, सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे दोनों अभ्यर्थी मड़ियांव से चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचीं।

लखनऊ पुलिस ने एनकाउंटर में पकड़ा

फास्ट न्यूज

लखनऊ में नर्स को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचला

लखनऊ। लखनऊ के दुबग्गा इलाके में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 26 वर्षीय नर्स की मौत हो गई। ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही युवती को मौरंग से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। हादसे के दौरान ट्रॉली पलट गई और युवती उसके नीचे दब गई। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बजरंगबली के मंदिरों में भक्तों की भीड़

लखनऊ। लखनऊ में आज बड़ा मंगल का उत्सव है। भोर से ही बजरंगबली के मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी है। अलीगंज प्राचीन मंदिर, पुराने हनुमान मंदिर, हनुमान सेतु, हनुमंतधाम, गुलाचीन, लेटे हनुमान मंदिर, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर सहित सभी मंदिरों में भजन बज रहे हैं। अलीगंज प्राचीन हनुमान मंदिर में भक्तों ने दर्शन के बाद गाय को प्रसाद खिलाया। महिलाओं ने पूजा करने के बाद हनुमान चालीसा पढ़ी। एक भक्त 1200 किमी दूर हैदराबाद से बड़ा मंगल पर दर्शन करने लखनऊ आया है। आज शहर की लगभग हर गली में भंडारे हुए।

आंधी के साथ बारिश का अलर्ट

लखनऊ। लखनऊ में लगातार तापमान बढ़ रहा है। तेज धूप से लगातार तपन बढ़ रही है। इसके कारण भीषण गर्मी के बीच लोग परेशान हो रहे हैं। सुबह से ही मौसम साफ बना हुआ है। इस बीच मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 30 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। आज दिन में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है।

ज्येष्ठ माह के छठे बड़े मंगलवार के अवसर पर हैवलॉक रोड स्थित पशु चिकित्सालय के पास आयोजित भंडारे में निदेशक सूचना विशाल सिंह तथा अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं मंगल की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दीं।

इकाना स्टेडियम की जांच करेगी एलडीए की समिति

लखनऊ। लखनऊ में इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और उससे जुड़ी स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना की जांच के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने कार्रवाई तेज कर दी है। एलडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर गठित समिति को 15 दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इसके लिए अधिकारियों को समिति की बैठक जल्द बुलाने के निर्देश दिए गए हैं। एलडीए की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, इकाना स्टेडियम के संचालन, रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, आम लोगों को मिलने वाली सुविधाओं और अनुबंध की शर्तों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। इसी उद्देश्य से एक समिति बनाई गई है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि समिति की बैठक कराने का प्रस्ताव 9 जून को दोपहर 2 बजे तक हर हाल में प्रस्तुत किया जाए, ताकि जांच प्रक्रिया शुरू की जा सके।

लखनऊ में बेटा बोला- शरीर में कई जगह चोट, पत्नी ने कहा- गांव के लोगों से दुश्मनी थी

जमानत पर छूटे धोखाधड़ी के आरोपी का शव मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में जमानत से छूटकर आए धोखाधड़ी के आरोपी का शव खेत में मिला। वह करीब 14 घंटे से लापता था। उसका शरीर काला पड़ा था। चोट के निशान थे। पास में इंजेक्शन पड़े थे। उसकी गाड़ी भी खड़ी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अन्य सबूतों की जांच शुरू की।

घटना पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के बाबूखेड़ा की है। आज सुबह करीब 11 बजे बाबूखेड़ा के एक खेत में स्थानीय निवासी देशराज रावत (40) का शव मिला। वह एक हफ्ते पहले जमानत पर जेल से छूटकर आया था। सोमवार रात करीब 9 बजे से लापता था। उसकी पत्नी ने कहा कि गांव के कुछ लोगों से दुश्मनी थी। उन्हीं लोगों पर शक हो रहा है। पुलिस ने संदिग्धों में हिरासत में लिया है। पत्नी सीमा ने संवाददाता से बातचीत में बताया- मेरे पति देशराज सोमवार रात घर से रात 8-9 बजे के बीच निकले थे। पति ने कहा था कि मैं अपना मोबाइल बनवाने जा रहा हूं। फिर वे घर वापस नहीं आए। हम परेशान थे। रिश्तेदारों को फोन किया, लेकिन पति का कुछ पता नहीं चला। पति को खोजते-खोजते सुबह हो गई। सुबह करीब 10-11 बजे हमें पता चला कि खेत में उनका शव पड़ा है। वहीं पर उनकी गाड़ी भी खड़ी थी। चेहरे पर चोट के निशान थे। शरीर काला पड़ा था। पास में इंजेक्शन पड़ा था। सीमा ने कहा कि लोग पति को शराब पिलाकर जमीन की रजिस्ट्री करवा लेते थे।

मृतक देशराज

डीसीपी बोले- मौत प्राकृतिक नहीं, मुकदमा दर्ज होगा

इस संबंध में डीसीपी दक्षिण अमित कुमार आनंद ने बताया कि थाना पीजीआई के बाबूखेड़ा क्षेत्र में दोपहर के समय देशराज का शव बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला अप्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत हो रहा है।

बेटा बोला- सामने वाले पड़ोसी से झगड़ा हुआ था

मृतक के नाबालिग बेटे ने कहा- पापा शाम को घर से बाहर गए थे। रातभर नहीं आए। हम लोगों ने बहुत ढूंढ़ा। सुबह उनका शव खेत में पड़ा मिला। उनकी जांघ, गर्दन पर चोट के निशान थे। नाक और कान से खून निकला था। देशराज मजदूरी करता था। उसकी पत्नी सीमा घर पर ही परचून की दुकान चलाती है। हमारे पापा रात के 8 बजे से गायब थे। फोन ले आने की बात कहकर निकले थे। हमने 11 बजे रात तक ढूंढ़ा। सुबह उठे तो पड़ोसी दादा राजकुमार ने बताया कि तुम्हारे पापा की डेडबॉडी खेत में पड़ी है। हम जब वहां गए तो देखा कि उनके शरीर में कई जगह चोट है। आसपास कुछ इंजेक्शन पड़े हुए थे। घर के सामने राजू रहते हैं, एक बार उन्हीं से उनका झगड़ा हुआ था।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसटीसी, श्री मनोज कुमार सिंह ने की

उत्तर प्रदेश में संघीय दुग्ध उत्पादक कंपनी के गठन पर एक महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

लखनऊ, एजेंसी

स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (STC) द्वारा बीते सोमवार को उत्तर प्रदेश में एक संघीय दुग्ध उत्पादक कंपनी (Federated Milk Producer Company) के गठन के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसटीसी, श्री मनोज कुमार सिंह (IAS, Retd.) ने की। इस विचार-विमर्श सत्र में पशुधन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ,श्री मुकेश कुमार मेश्राम, दुग्ध आयुक्त, श्रीमती धनलक्ष्मी के., मिशन निदेशक यूपीएसआरएलएम ,श्रीमती दीपा रंजन सहित राज्य की विभिन्न दुग्ध उत्पादक कंपनियों (MPCs) एवं

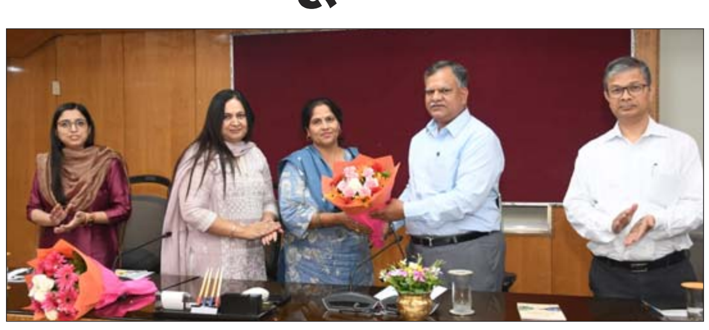

डेलॉइट के प्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के दुग्ध उत्पादन क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, प्रसंस्करण क्षमताओं का विस्तार, मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पादों (VADP) की असीमित संभावनाएं तथा किसानों की आय में गुणात्मक वृद्धि सुनिश्चित करना रहा। बैठक में यह रेखांकित किया गया कि देश का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक राज्य होने के बावजूद, उत्तर प्रदेश में संगठित दुग्ध प्रसंस्करण का स्तर अभी भी अपनी पूरी क्षमता से बहुत दूर है।यूपीएस-आरएलएम द्वारा प्रस्तुत आँकड़ों के अनुसार, राज्य की पाँच दुग्ध उत्पादक कंपनियाँ वर्तमान में 31 जनपदों एवं 6,493 ग्राम पंचायतों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, जिनसे लगभग 3.81 लाख महिलाएँ सशक्त रूप से जुड़ी हुई हैं। इन कंपनियों का कुल कारोबार लगभग 5,277 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

> डेलॉइट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार केवल तरल दूध के व्यापार की तुलना में, मूल्य संवर्धित दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किसानों को न केवल अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है, बल्कि इससे उन्हें संस्थागत स्थिरता भी मिल सकती है।

कई दुग्ध उत्पादक कंपनियों ने संघीय संरचना का समर्थन करते हुए इसे किसानों की आय वृद्धि एवं दीर्घकालिक स्थिरता के लिए एक अनिवार्य कदम बताया। वहीं, कुछ कंपनियों ने वर्तमान व्यवस्थाओं एवं संस्थागत साझेदारियों को ध्यान में रखते हुए एक चरणबद्ध एवं विचार-विमर्श आधारित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।अपर मुख्य सचिव ने दुग्ध गुणवत्ता में सुधार, मिलावट नियंत्रण एवं प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को बेहतर बाजार पहुँच एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के माध्यम से अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

शराब की दुकान में घुसकर सेल्समैन से मारपीट

शराब न मिलने से गुस्साए दबंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में दबंगों ने शराब की दुकान पर मौजूद सेल्समैन से मारपीट की। दुकान बंद होने के बाद दबंग शराब लेने पहुंचे थे। मना करने पर वहां मौजूद सेल्समैन व अन्य कर्मचारियों के साथ मारपीट करने लगे। पीड़ित पक्ष ने मड़ियांव थाने में तहरीर दी है। जानकीपुरम निवासी जतिन जायसवाल मड़ियांव थाना क्षेत्र अंतर्गत बंधा रोड पर अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन है। उन्होंने बताया सोमवार रात 10 बजे दुकान बंद करके अंदर अन्य कर्मचारियों के साथ कैश गिन रहे थे। तभी गगन, सूरज यादव, राकेश यादव व अन्य 10-15 लोग दुकान पर आकर शराब मांगने लगा। दुकान बंद होने की वजह से शराब देने से मना कर किया तो उन लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद दुकान का शटर जबरदस्ती उठाकर अंदर घुस गए। धारदार हथियार से मारपीट शुरू कर दी। जिससे सिर पर तीन जगह गंभीर चोट लगी। दुकान में मौजूद दो अन्य कर्मचारियों को भी बुरी तरह पीटा। दुकान में रखे कैश को लूटने का प्रयास किया। बाहर निकालने के दौरान दुकान में रखी पीओएस मशीन तोड़ दिया। जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

प्रस्ताव : प्रदेश में स्थित 31 स्मारकों/स्थलों को संरक्षित घोषित किए जाने के लिए प्रथम विज्ञप्ति/अधिसूचना जारी

पुरातात्विक महत्व के स्थल हमारी गौरवशाली विरासत की धरोहर

उ0प्र0 पुरातत्व परामर्शदात्री समिति ने इन स्थलों को संरक्षित घोषित करने की संस्तुति प्रदान की है। संरक्षित घोषित किए जाने वाले कुल 31 स्मारकों/स्थलों से संबंधित प्रथम अधिसूचना जारी कर दी गयी है। यह सभी पुरातात्विक महत्व के स्थल इतिहास के गौरवशाली क्षणों तथा सांस्कृतिक संपदा को समेटे हुए है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। प्रदेश में स्थित 31 स्मारकों/स्थलों को संरक्षित घोषित किए जाने के लिए प्रथम विज्ञप्ति/अधिसूचना जारी किए जाने की संस्तुति प्रदान की गई है। यह स्मारक पुरातात्विक महत्व के हैं। इसमें सीतापुर, उन्नाव, हरदोई, बाराबंकी, कानपुर नगर, रायबरेली, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, देवरिया, झांसी, जालौन, ललितपुर, महोबा, गाजीपुर, वाराणसी, आगरा एवं मैनपुरी के अंतर्गत आते है। इनको सहेज कर अगली पीढ़ी को सौंपना हम सबका दायित्व है। इसको दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न जनपदों में स्थित इन प्राचीन स्थलों को संरक्षित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपदसीतापुर तहसील लहरपुर, ग्रा0 नवीनगर स्थित शिवमंदिर व कुंड तह0 सिधौली ग्रा0 परेवाजाल का टीला, उन्नाव तह0 सदर ग्रा0 नेवरना मे स्थित माहेपासी का टीला, हरदोई, तह0 संडीला ग्रा0 गजभरावन स्थित नागेश्वर मंदिर, बाराबंकी तह0 नवाबगंज ग्रा0 असैनही स्थित राजाकुंवर गिरधारी सिंह की समाधि व बारादरी, कानपुर नगर के घाटमपुर ग्रा0 बकेसरा स्थित पंचमुखी शिव मंदिर, इसी जनपद में स्थित ग्रा0 कटरी बिठूर कला में स्थित प्राचीन शिवमंदिर तथा तह0 डलमऊ ग्रा0 हमीरमउ, रायबरेली में स्थित गंगकुंड शामिल है। जयवीर सिंह ने बताया कि ललितपुर जनपद के मडावरा, ग्रा0 सीरौन में स्थित प्राचीन बावली इसी जनपद में स्थित चरखारी मंगलगढ़ का किला, गाजीपुर कासिमाबाद तह0 में स्थित पंच मंदिर, वाराणसी तह0 राजातालाब ग्रा0 असवारी में स्थित शिवमंदिर वाराणसी के ही तह0 सदर, ग्रा0 हमीरमऊ के एलटी कॉलेज स्थित गोपाल लाल विला इसी प्रकार आगरा तह0 बाह में स्थित हतकान्त का किला तथा मैनपुरी तह0 करहल के ग्रा0 किरथुआ स्थित खेड़ा का टीला के लिए प्रथम अधिसूचना/विज्ञप्ति जारी करने की संस्तुति की गई है।

> पर्यटन मंत्री ने बताया कि जनपद प्रतापगढ़ के रामपुर बेला स्थित प्राचीन शिव मंदिर तालाब, जनपद फतेहपुर तह0 बिंदकी ग्रा0 बुढ़वा स्थित राधाकृष्ण मंदिर व इसी तह0 में स्थित पासी बाबा का मंदिर, सिद्धार्थनगर तह0 नौगढ़ ग्रा0 बर्डपुर, डब्ल्यू0सी0पंप से संबंधित इसी प्रकार महाराज गंज तह0 फरेदा में स्थित खड़कौला टीला, देवरिया तह0 बरहज में स्थित खुदिया बुजुर्ग टीला, इसके अलावा झांसी के गढ़वई दुर्ग, दो प्रस्तर शिव मंदिर हजारिया महादेव मंदिर, यज्ञशाला/लक्ष्मणशाला शिवमंदिर शामिल है। इसी प्रकार जनपद जालौन में रामजानकी हनुमान मंदिर, लटकबिहारी मंदिर, सराफी मंदिर, मदर घाट शिवालय तथा प्राचीन स्थल सूर्य मंदिर को संरक्षित को संस्तुति की गई है।

सिविल अस्पताल की इमरजेंसी वॉर्ड में फॉल सिलिंग गिरी

9 मरीज भर्ती थे, खाली कराया गया, फायर सेफ्टी वर्क चल रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में मंगलवार को फॉल सीलिंग का एक हिस्सा अचानक गिर गया। घटना उस समय हुई जब इमरजेंसी वॉर्ड में फायर सेफ्टी से जुड़ा काम चल रहा था। हालांकि, हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन अस्पताल की व्यवस्थाओं पर सवाल जरूर खड़े हो गए हैं। इमरजेंसी वार्ड में उस समय करीब 9 मरीज भर्ती थे। सीलिंग गिरने के बाद एहतियातन वार्ड को खाली करा दिया गया। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। 3 दिन पहले गोरखपुर के BRD मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी पहली मंजिल के एक वॉर्ड में प्रसूता और नवजात के पास फॉल सीलिंग गिर गई थी। उस घटना में भी बड़ा हादसा होते-होते टल गया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने सरकारी अस्पतालों में भवनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है

सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवेश चंद्र पांडेय ने बताया कि इमरजेंसी में फायर सेफ्टी का काम चल रहा है। सुरक्षा के मद्देनजर वार्ड को पहले से ही खाली करा लिया गया था। घटना में किसी मरीज या कर्मचारी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि आवास विकास परिषद फायर फाइटिंग का काम कर रहा है। इसी दौरान कुछ फॉल सीलिंग अलग निकाल कर रखी गई थी। काम के दौरान उन्हीं में से कुछ गिर गई। आवास विकास से इसे सही करने को कहा गया है।

16 जिलों में हीटवेव का अलर्ट, 2 दिन बाद प्री-मानसून बारिश, कई गांवों की बिजली गुल हो गई

लखनऊ-उन्नाव में आंधी बारिश पेड़ उखड़े एक मौत

> लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया यूपी में मौसम में जारी उतार-चढ़ाव अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा। 9 और 10 जून को अधिकांश जिलों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। इससे गर्मी का असर तेज होगा। 11 जून से पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से प्री-मानसून की बारिश होगी। फिर मौसम कुछ ठंडा होने लगेगा। पारा 40 डिग्री सेल्सियस के नीचे लुढ़क जाएगा।

हीटवेव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ वाराणसी/ प्रयागराज / कानपुर। यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। सोमवार देर रात लखनऊ, उन्नाव और आसपास के इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। उन्नाव में कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए। पेड़ के नीचे दबने से एक 70 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई। कई गांवों की बिजली गुल हो गई।

हालांकि, मंगलवार सुबह से राजधानी समेत प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज धूप है। बुंदेलखंड और दक्षिणी यूपी के जिलों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। तेज धूप और लू जैसे हालात ने लोगों का हाल बेहाल कर रखा है। इस बीच, मौसम विभाग (IMD) ने आज के लिए प्रदेश के 16 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। बुंदेलखंड और पूर्वांचल के कई जिलों में दिन के समय तेज गर्म हवाएं चलने और तापमान के 45C-46C या उससे अधिक रहने की संभावना जताई है।

हालांकि, 11 जून से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे प्री-मानसून की गतिविधियों के लिए अनुकूल माहौल तैयार होगा। 11 से 13 जून के बीच प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी होगी।

तस्वीरें उन्नाव की हैं। देर रात आंधी-तूफान की वजह से सड़कों पर पेड़ गिर गए। रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने ट्रेनें घंटों लेट हुईं।

उन्नाव में आंधी-तूफान से रेल यातायात पर भी असर, पैसेंजर ट्रेन घंटों लेट

उन्नाव में तेज आंधी-तूफान का असर रेल यातायात पर भी देखने को मिला। कानपुर से बालामऊ जा रही पैसेंजर ट्रेन सफीपुर थाना क्षेत्र स्थित बड़ादेव हाल्ट के पास रोकनी पड़ी। तेज हवाओं के दौरान ओएचई लाइन के पोल नंबर 2313 के तार पर पेड़ की बड़ी डाल गिर जाने से रेल संचालन बाधित हो गया। सुरक्षा कारणों को देखते हुए ट्रेन को मौके पर ही रोक दिया गया। सूचना मिलते ही रेलवे कर्मी मौके पर पहुंच गए और बाधा को हटाकर रेल संचालन बहाल करने के प्रयास शुरू कर दिए गए।

5 दिनों में 13 राज्यों तक पहुंचा मानसून, 20 जून को यूपी पहुंचेगा

केरल में इस बार मानसून 3 दिन की देरी से 4 जून को पहुंचा था। इसके बाद सिर्फ 5 दिनों में यह 13 राज्यों तक पहुंच गया है। सोमवार को मानसून ने तेलंगाना में भी एंट्री कर ली। इससे पहले रविवार को मानसून त्रिपुरा, असम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड तक पहुंचा था।

IMD के मुकाबिक, अगले 2-3 दिनों में यह कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर के बाकी इलाकों में आगे बढ़ सकता है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भी अगले कुछ दिनों में मानसून पहुंच सकता है।

झांसी में हीटवेव का यलो अलर्ट, पारा 44 डिग्री तक पहुंचेगा

झांसी में मंगलवार की शुरुआत उमस और गर्मी के साथ हुई। सुबह अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन मौसम विज्ञान विभाग ने दिन में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई है। जिले के लिए हीटवेव का यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। वहीं, न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

श्रद्धालुओं से भरी बस और ट्रक की टक्कर, 22 घायल

घटना

- जैत क्षेत्र में तड़के हुआ हादसा, सात घायलों का अस्पताल में चल रहा उपचार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना जैत क्षेत्र में सोमवार तड़के श्रद्धालुओं से भरी एक बस और ट्रक के बीच हुई टक्कर में करीब 22 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाकर उपचार शुरू कराया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना 9 जून 2026 को सुबह लगभग 4 बजे हाईवे पर हुई। बस में सवार श्रद्धालु मध्य प्रदेश से ट्रेन द्वारा मथुरा पहुंचे थे और मथुरा जंक्शन से बस में बैठकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बस की ट्रक से टक्कर हो गई।

हादसे में करीब 22 श्रद्धालु घायल हुए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी घायलों को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार अधिकांश घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि सात घायलों का उपचार अभी भी अस्पताल में चल रहा है।

दुर्घटना के बाद पुलिस ने ट्रक और उसके चालक को कब्जे में ले लिया है। मामले की जांच की जा रही है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इस संबंध में प्रीतम पाल सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। घायलों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई और ट्रक चालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट ने एसआरएन बवाल मामले में प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी

प्रयागराज। प्रयागराज में अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मौत के मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए पुलिस से जांच की प्रोग्रेस रिपोर्ट तलब कर ली। कोर्ट ने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया है कि एसआरएन अस्पताल प्रकरण से जुड़े मुकदमे की केस डायरी और अब तक की जांच का पूरा विवरण बुधवार सुबह 10 बजे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

अब पोकलैंड मशीन से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

वाराणसी। दालमंडी ध्वस्तीकरण का कार्य तेजी से हो रहा है। इसी क्रम में अब यहां बानी अट्टालिकाओं को तोड़ने के लिए पीडब्ल्यूडी ने पोकलैंड मशीन मंगवा ली है। सोमवार की शाम पोकलैंड मशीन दालमंडी के अंदर घुसी और रास्ता बनाते हुए दालमंडी के बीचों-बीच बनी जगह पर जाकर खड़ी हुई। इसके बाद आज मंगलवार को एक बार फिर सुबह 11 बजे से पोकलैंड मशीन पुराने मकानों का ध्वस्तीकरण कर उन्हें जमीदोज कर रही है। वहीं पीडब्ल्यूडी ने सोमवार को दालमंडी में मुनादी कराई और 16 मकानों को 11 जून तक खाली करने का निर्देश दिया है।

वाराणसी में युवक ने गोली मारकर किया सुसाइड

वाराणसी। वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र के गायत्री नगर में मंगलवार दोपहर युवक ने एक घर में खुद को गोली मार ली। पेशे से पेंटर सोनू यादव श्याम कुंज में पेंटिंग करने आया था। उसका शव कमरे के बाहर लहूलुहान हालात में मिला। उनकी आंखों से आंसू बह रहे और अपनी सीने में बाईं ओर गोली धसी थी।

नगर निगम में मलिन बस्ती में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने की उपलब्धि के दृष्टिगत मंगलवार को नगर निगम मथुरा वृंदावन के बार्ड नंबर 5 भरतपुर गेट मलिन बस्ती में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह के नेतृत्व में नगर निगम की संस्था नेचर ग्रीन ने विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अपर नगर आयुक्त ने स्वयं रोड से कचरे को उठाकर सफाई की। अपर नगर आयुक्त ने बताया की स्वयं निरीक्षण कर व जनता के द्वारा फीडबैक लिया गया है। जिसमें लोगों का कहना है नगर निगम की पूरी टीम बार्ड को स्वच्छ रख रही है। प्रतिदिन डोर टू डोर उठने वाला कूड़ा भी समय से उठ रहा है। नगर के सभी बार्ड स्वच्छ रहें इसके लिए नगर निगम की टीम हमेशा प्रयासरत रहती है उन्होंने जनता से भी सहयोग करने की अपील की। टीम ने दुकानदारों व लोगों के घर-घर जाकर समझाया। इस दौरान परियोजना प्रबंधक अभिलाष सांगवान ने बताया की विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 से 12 जून तक जोन के दो बार्डो की मलिन बस्तियों में सफाई अभियान जारी है।

सहारनपुर में साले ने कनपटी में गोली मारी, 4 महीने पहले लव-मैरिज की थी

पत्नी को पुलिस परीक्षा दिलाने के लिए आए युवक की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर । सहारनपुर में 24 साल के युवक की मंगलवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसके साले ने अपने मामा के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। युवक ने चार महीने पहले अपने गांव की लड़की से लव मैरिज की थी। इससे लड़की के परिवार वाले नाराज थे। युवक पत्नी को पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाने के लिए शामली से सहारनपुर आया था।

पुलिस के मुताबिक, परीक्षा खत्म होने के बाद युवक पत्नी के साथ कार से घर जाने लगा। इसी दौरान उसका साला पहुंच गया और कार रुकवा ली। बहन से घर चलने के लिए कहा, लेकिन उसने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर युवक और साले के बीच कहासुनी होने लगी।

इसी बीच साले ने कमर से तमंचा निकाला और युवक की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। गोली लगते ही युवक घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। आरोपी इसी दौरान मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रामपुर मनिहारान क्षेत्र की है। पुलिस ने मृतक की पहचान शामली के खेड़ी बैरागी के रहने वाले शिव कुमार के रूप में की। उसने एमएससी-एलएलबी की पढ़ाई की थी। 3 मार्च को एसएसएफ में नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला था। हालांकि, अब तक ज्वॉइनिंग नहीं की थी।

डॉक्टरों के मुताबिक, खून ज्यादा बहने से शिवकुमार की मौत हो गई।

भाई ने बोला- घर चलो, मना करने पर गोली मार दी

आकांक्षा ने बताया- भाई मंजीत ने मुझसे घर चलने के लिए कहा, लेकिन मैंने साथ जाने से इनकार कर दिया। भाई तमंचा दिखाकर धमकाने लगा। वह गुस्से में मुझे कार से खींचकर उतारने लगा। इस पर मेरे पति शिव कुमार ने विरोध किया। दोनों में बहस होने लगी। इसी बीच, मेरे भाई मंजीत ने मौका पाकर पति शिवकुमार की कनपटी में गोली मार दी। इसके बाद बाइक से फरार हो गया।

लड़की बोली- हम दोनों की लव मैरिज से नाराज थे घरवाले

पत्नी आकांक्षा ने बताया- शादी के बाद से मेरे परिवार के लोग शिवकुमार को लगातार धमकियां दे रहे थे। मैंने BA तक की पढ़ाई की है। पुलिस भर्ती की तैयारी कर रही हूं। आज सहारनपुर के रामपुर मनिहारान के गोचर इंटर कॉलेज में परीक्षा थी। पहली पारी में पेपर होने की वजह से हम लोग सुबह जल्दी ही घर से कार से निकले थे। मैं सेंटर के अंदर चली गई, जबकि मेरे पति बाहर कार में सामान लेकर इंतजार कर रहे थे। परीक्षा खत्म होने के बाद मैं बाहर आई। हम दोनों कार से घर के लिए घर के लिए निकलने लगे, तभी मेरा भाई मंजीत हमारे मामा के साथ आ गया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा आदेश, प्रयागराज में एसीपी की सैलरी से कटेगा जुर्माना

'आठ दिन अवैध हिरासत में रखा, 2 लाख मुआवजा दो'

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। 'नागरिकों की व्यक्तिगत आजादी सबसे ऊपर है। किसी भी निर्दोष को बिना वैधानिक प्रक्रिया के जेल नहीं भेजा जा सकता।' यह बात इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली में शांति भंग की धाराओं के दुरुपयोग पर कही।

न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने मंसूर अहमद उर्फ लल्लू की याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने पाया कि मंसूर को 8 दिन तक अवैध रूप से न्यायिक हिरासत में रखा गया। इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता का खुला उल्लंघन मानते हुए कोर्ट ने यूपी सरकार को पीड़ित को 2 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश दिया। यह राशि राज्य सरकार को 6 सप्ताह के भीतर अदा करनी होगी। हाईकोर्ट ने कहा- एसीपी बारा और विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने बीएनएसएस की धाराओं 170, 126 और 135 का घोर उल्लंघन किया। व्यक्ति को केवल शांति बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत बंधपत्र देने का अवसर दिया जाना चाहिए था। लेकिन, उसे सीधे जेल भेज दिया गया। जांच कर जुर्माने की राशि एसीपी वेद व्यास मिश्रा के वेतन से काटी जाए। वेद व्यास अभी भी प्रयागराज में ही तैनात हैं। कोर्ट ने कहा- प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में स्थिति चिंताजनक है। पुलिस कमिश्नर को मजिस्ट्रेटी शक्तियां दी गई हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग किया जा रहा है। शांति भंग की आशंका के नाम पर लोगों को लंबे समय तक जेल भेजा जा रहा है। जबकि कानून इसकी इजाजत नहीं देता।

कोर्ट ने गाजियाबाद मामले का हवाला दिया

हाईकोर्ट ने अपने हालिया निर्णय का उल्लेख किया। कहा कि गाजियाबाद कमिश्नरेट में भी इसी प्रकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए गए थे। उस फैसले में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि ऐसे मामलों में केवल व्यक्तिगत बंधपत्र लिया जाए। गैरजरूरी हिरासत से बचा जाए। 24 घंटे से ज्यादा अवैध हिरासत होने पर प्रतिदिन 25 हजार रुपए मुआवजा दिया जाए। हाईकोर्ट ने साफ किया कि मुआवजा देने के बाद राज्य सरकार एसीपी बारा के खिलाफ विभागीय जांच कराएगी। अगर जांच में उनकी जिम्मेदारी तय होती है, तो मुआवजे की यह राशि संबंधित अधिकारी के वेतन से वसूल की जाएगी।

मुरादाबाद डीएम ने कुर्सी पर बैठे-बैठे किया योग

> डीएम बोले- योग को जीवन में उतारने की जरूरत

अफसरों को भी कराया, राजेंद्र पेंसिया बोले- काम के बीच ले सकते हैं योग-ब्रेक

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद । मुरादाबाद में जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया (DM) का मंगलवार को अलग ही अंदाज देखने को मिला। DM कलेक्ट्रेट में चल रही एक बैठक के दौरान योग गुरु बन गए। उन्होंने न केवल खुद योग किया, बल्कि बैठक में मौजूद सभी अफसरों से भी योग कराया।

इस दौरान DM ने काम की समीक्षा की। ऑफिस का तनाव कम करने के लिए अफसरों को कुर्सी पर बैठे-बैठे ही योग करने के लिए प्रेरित किया। DM का मानना है कि भागदौड़ भरी जिंदगी और प्रशासनिक कार्यों के दबाव के बीच मानसिक शांति और शारीरिक फिटनेस के लिए योग बेहद जरूरी है। इसका वीडियो भी सामने आया है। DM के इस अंदाज की चर्चा अब हर तरफ हो रही है। मुरादाबाद कलेक्ट्रेट में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक चल रही थी। इस दौरान DM राजेंद्र पेंसिया ने 5 मिनट के लिए काम रोक दिया। उन्होंने अफसरों को कुर्सी पर बैठे-बैठे योग कराया। करीब 5 मिनट तक चले इस सेशन में सभी ने योग क्रियाएं और स्ट्रेचिंग अभ्यास किए।

बैठक में जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया, मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, एडीएम सिटी अंकुर श्रीवास्तव समेत जिले के कई वरिष्ठ अफसर मौजूद थे। अफसरों ने कहा कि लगातार काम के दबाव के बीच कुछ मिनट का योग मानसिक तनाव कम करने और कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले लोगों को इसके लिए जागरूक करने का भी एक सकारात्मक प्रयास है। कुर्सियों पर बैठकर किए गए इस योगाभ्यास का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रहा है। कई लोगों ने इसे ₹कुर्सी वाला योग₹ बताते हुए सरकारी कार्यक्रमों के प्रतीकात्मक आयोजन का उदाहरण बताया है। लोगों का कहना है कि योग के फायदे और अनुशासित अभ्यास का संदेश देने वाले अफसरों को खुद भी पूरी गंभीरता का परिचय देना चाहिए।

पृष्ठ 01 का शेष...

मीनाक्षी नटराजन ...

इस हिसाब से 3 सीटें जीतने के लिए एक उम्मीदवार को 58 वोट चाहिए थे।

भाजपा ने तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। उसके पास विधायक 164 हैं। ऐसे में दो सीटें तो आराम से जीत सकती थी। 58+58 = 116 करके। लेकिन तीसरे उम्मीदवार को जिताने के लिए 10 वोट कम पड़ रहे थे। ऐसे में कहा जा रहा था कि भाजपा कांग्रेस खेमे के विधायक तोड़ सकती है।

लेकिन अब कांग्रेस की इकलौती उम्मीदवार का नामांकन रद्द हो गया है। कांग्रेस का दूसरा उम्मीदवार मैदान में नहीं है। आ भी नहीं सकता, क्योंकि नामांकन दाखिल करने की लास्ट डेट खत्म हो गई है। इसलिए तीसरी सीट पर मुकाबला ही खत्म हो गया है। अब मैदान में भाजपा के केवल तीन उम्मीदवार बचते हैं। तरुण चुघ, रजनीश अग्रवाल और महेश केवट। अब ऐसी स्थिति में तीनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध जीत जाएंगे।

मानसून ने 16 ...

इधर, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मी का असर बना हुआ है। कई जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। सोमवार को श्रीगंगानगर का अधिकतम तापमान 45.6C दर्ज किया गया।

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्मी फिर तेज हो गई है। IMD ने आज 8 राज्यों में लू का अलर्ट दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक 10 जून तक तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है।

राममंदिर में चोरी का ...

नृपेंद्र मिश्र 13 जून को प्रस्तावित समीक्षा बैठक में अयोध्या आने वाले थे। लेकिन विवाद बढ़ने के बाद उनका कार्यक्रम बदल गया। वह अयोध्या पहुंचे। मीटिंग में चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर बात की।

इससे पहले सोमवार को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आगरा में कहा- जब आप चोर को रक्षक बना देंगे तो वो क्या करेगा? पहले जमीनों के नाम पर हुआ। अब सीधे पेटी से निकाल लिया जा रहा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भड़क गए। उन्होंने कहा- आपकी सोच बाबरवादी है। अपनी सोच को सनातन संस्कृति के खिलाफ न करें। नहीं तो आने वाले दिनों में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- कौन कह रहा है, कुछ गायब हुआ है। अखिलेश कहते रहे, उनका जवाब हम थोड़े ही देते रहेंगे। यह सरकार का विषय नहीं है। मंदिर प्रशासन इसका जवाब देगा।

राममंदिर में चोरी का...

नृपेंद्र मिश्र 13 जून को प्रस्तावित समीक्षा बैठक में अयोध्या आने वाले थे। लेकिन विवाद बढ़ने के बाद उनका कार्यक्रम बदल गया। वह अयोध्या पहुंचे। मीटिंग में चढ़ावे की राशि, उसके उपयोग और लेखा-जोखा जैसे मुद्दों पर बात की।

इससे पहले सोमवार को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने आगरा में कहा- जब आप चोर को रक्षक बना देंगे तो वो क्या करेगा? पहले जमीनों के नाम पर हुआ। अब सीधे पेटी से निकाल लिया जा रहा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भड़क गए। उन्होंने कहा- आपकी सोच बाबरवादी है। अपनी सोच को सनातन संस्कृति के खिलाफ न करें। नहीं तो आने वाले दिनों में सपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। यूपी भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा- कौन कह रहा है, कुछ गायब हुआ है। अखिलेश कहते रहे, उनका जवाब हम थोड़े ही देते रहेंगे। यह सरकार का विषय नहीं है। मंदिर प्रशासन इसका जवाब देगा।

मीटिंग के बाद ...

वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि गड़बड़ी हुई है। इसकी जांच होनी चाहिए।

श्रीराम जन्मभूमि के दानपात्र में आने वाली धनराशि में गड़बड़ी के आरोप मंदिर निर्माण से पहले भी लगे हैं। तब घेरे में प्रशासनिक अधिकारी आए थे। न्यास के गठन के बाद भी ऐसी बातें सामने आती रहीं हैं। हालांकि आधिकारिक रूप से कभी कुछ साबित नहीं हुआ और ना ही कोई कार्रवाई हुई।

टीएमसी विधायकों ...

विधायकों ने अभिषेक पर ही फर्जी दस्तखत कराने का आरोप लगाया है।

CID अधिकारियों के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी के नोटिस के जवाब में बताया था कि विधायकों के हस्ताक्षर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित TMC के केंद्रीय कार्यालय में जुटाए गए थे। यह कार्यालय ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर में ही है। इसी जानकारी के आधार पर जांच टीम वहां पहुंची। इससे पहले सोमवार को CID की टीम अभिषेक बनर्जी के घर भी पहुची थी।

भारत की धरती कोई ...

उन्होंने कहा- कोई धर्म के नाम पर, कोई जाति के नाम पर बांटने का प्रयास करेगा, लेकिन हम सबको कथा के उस मर्म को समझना पड़ेगा, जो यहां पर व्यासपीठ से जगद्गुरु ने समझाने का प्रयास किया। हमारे जो आदर्श हैं, उनके अनुसार जीवन जीने का प्रयास करें। हम शिव और राम की पूजा करते हैं तो अपना जीवन उनके आदर्श पर जीएं।

उन्होंने रामायण काल के पात्रों का उदाहरण देते हुए समसामयिक मुद्दों पर अपनी बात रखी. मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि जो लोग भारत के प्रति आस्था और निष्ठा नहीं रखते हैं और यहां के संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उनके लिए भारत की धरती कोई धर्मशाला नहीं हो सकती है.

'भाजपा सरकार हर ...

लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। विकास कार्य ठप पड़े हैं, भ्रष्टाचार अपने चरम पर है और बजट की खुलकर लूट हो रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों, नौजवानों, व्यापारियों और आम जनता सहित हर वर्ग को धोखा दिया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और कार्यकर्ताओं को उसी एकजुटता के साथ काम करना होगा, जैसी लोकसभा चुनाव में दिखाई गई थी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को विकास की राह पर वापस लाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी है। लोकतंत्र में वोट सबसे बड़ी ताकत है और जनता को अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर भाजपा को सत्ता से बाहर करना होगा।

समाजवादी सरकार ...

यमुना एक्सप्रेस-वे के किसानों को उचित मुआवजा दिलाने का काम भी सपा सरकार ने किया था।

उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार ने प्रदेश के जिलों को फोर-लेन सड़कों से जोड़ने का व्यापक अभियान चलाया था। गांवों, तहसीलों और जिलों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़कर विकास की नई राह खोली गई थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इन प्रयासों को कमजोर कर दिया।

भारत ने पहली बार ...

SIPRI और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं। SIPRI इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देशः 2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं।

रग्बी खिलाड़ियों से बहस हुई, ईसीबी की जांच शुरू, दूसरे टेस्ट में खेलना मुश्किल

लॉर्ड्स जीत के बाद नाइटक्लब विवाद में घिरे स्टोक्स-एटकिंसन

लॉर्ड्स टेस्ट के चौथे और अंतिम दिन गस एटकिंसन और बेन स्टोक्स जीत का जश्न मनाते हुए।

बहस

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन नए विवाद में फंस गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का रविवार रात एक नाइटक्लब में सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ विवाद हो गया। इस घटना में किसी खिलाड़ी के घायल होने की खबर नहीं है।

बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में टेस्ट टीम के उप-कप्तान हैरी ब्रूक दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की कप्तानी संभाल सकते हैं। ब्रूक खुद भी इस साल विवादों में रह चुके हैं।

इस विंटर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर

रात में हुए एक बाउंसर्स विवाद के चलते ECB ने ब्रूक पर जुर्माना लगाया था और फटकार लगाई थी। खिलाड़ियों के खराब व्यवहार के बाद ECB को टीम के लिए 'मिडनाइट कर्फ्यू' (आधी रात के बाद बाहर न जाने का नियम) लागू करना पड़ा था।

बेन स्टोक्स ने पिछले साल दावा किया था कि उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है। लेकिन

रिपोर्ट्स के अनुसार, लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर 115 रन की जीत के बाद स्टोक्स और एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब पहुंचे थे। उसी दौरान सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ी भी सीजन समाप्ति का जश्न मनाने वहां मौजूद थे।

ईसीबी ने जांच शुरू की

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने टीम प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोप में स्टोक्स और एटकिंसन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता के बीच खबरें हैं कि स्टोक्स कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। 17 जून से द ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट के दौरान भी जांच जारी रहने की संभावना है। ऐसे में स्टोक्स और एटकिंसन का उस मुकाबले में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। ECB ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा कि मामले को आगे की जांच के लिए क्रिकेट रेगुलेटर के पास भेज दिया गया है। बोर्ड के मुताबिक, बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां घटना हुई। ECB ने कहा कि मामले से जुड़ी और जानकारी जुटाई जा रही है और दूसरे टेस्ट के लिए टीम की घोषणा जल्द की जाएगी।

रविवार दोपहर मैच जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा था, 'मैं ड्रेसिंग रूम में लड़कों के साथ एक अच्छी बीयर पीने का इंतजार कर रहा हूं। जब तक मैं वहां जाकर टीम के साथ बीयर शेयर नहीं कर लेता, तब तक मुझे असली खुशी नहीं मिलेगी।'

स्टोक्स का पुराना रिकॉर्ड भी विवादों से भरा रहा है। 2017 में ब्रिस्टल में एक वनडे मैच के बाद वे सड़क पर मारपीट (स्ट्रीट-फाइट) में शामिल थे, जिसके बाद उन पर जुर्माना और बैन लगा था।

फरवरी में हुए विवादों के बाद इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा था कि वे टीम को ढील नहीं देते हैं। खिलाड़ियों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा था, ‛मैंने लड़कों से पहली बात यही कही थी कि ऐसा कुछ मत करना जिससे आप अखबार के फ्रंट पेज पर आ जाएं। आधी रात के बाद कुछ भी अच्छा नहीं होता है। इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने भी माना था कि टीम में दो या तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जो शराब मिलने पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं।

> बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत गस एटकिंसन और सरेसेंस रग्बी क्लब के एक एकेडमी खिलाड़ी के बीच हुई बहस से हुई थी, जो बाद में बढ़ गई। सरेसेंस रग्बी क्लब ने पुष्टि की है कि उनका एक एकेडमी खिलाड़ी रविवार रात हुई इस घटना में शामिल था।

कोहली भारत की सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी

शाहरुख दूसरे, प्रियंका तीसरे और अमिताभ 7वें नंबर पर

मुंबई, एजेंसी

दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली भारत की सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू 3,542 करोड़ रुपए है। शाहरुख खान दूसरे और प्रियंका चोपड़ा जोनस तीसरे पायदान पर हैं।

फॉर्च्यून इंडिया और इंटरब्रांड ने देश की 25 सबसे वैल्युएबल सेलिब्रिटी पर रिसर्च की। इसमें टॉप 10 में 3 क्रिकेटर और 7 फिल्मी सेलिब्रटी हैं। महिला सेलिब्रिटीज में प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर रहीं। इसके अलावा दीपिका पादुकोण (11वां स्थान), रश्मिका मंदाना (17वां स्थान), कृति सेनन,

भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और साउथ की एक्ट्रेस नयनतारा को जगह मिली है। वैल्युएबल पर्सन की सूची में दिलजीत दोसांझ, करन जौहर, सौरव गांगुली और विकी कौशल के भी नाम हैं। इस अध्ययन में ब्रांड वैल्यू तय करने के लिए सेलिब्रिटीज की कमाई, फॉलोअर्स या बॉक्स ऑफिस पर सफलता से इतर कई अन्य बातों पर भी ध्यान दिया गया है। इनमें ब्रांड की ताकत को तय करने वाले पहलुओं जैसे- विशिष्टता, सामंजस्य, जुड़ाव, विश्व ास, आत्मीयता और जिम्मेदारी पर भी गौर किया गया है, जो मिलकर उनकी फाइनल ब्रांड वैल्यू तय करते हैं।

3 टी-20 मैच एक घंटा पहले शुरू होंगे, एक जुलाई से 5 मैचों की सीरीज

भारतीय दर्शकों के लिए इंग्लैंड क्रिकेट ने बदला समय

नई दिल्ली। भारतीय दर्शकों के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने 3 टी-20 मैचों के लिए समय बदल दिया है। पहले रात 11 बजे शुरू होने वाले मैच अब एक घंटा पहले 10 बजे शुरू होंगे।

भारत जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगा। टी-20 सीरीज 1 जुलाई से 11 जुलाई तक होगी। वहीं वनडे सीरीज 14 जुलाई से 19 जुलाई के बीच खेली जाएगी।

इससे पहले भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। मैचों के समय में बदलाव का फैसला भारत में टीवी दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए लिया गया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टी-20 मैच इसी साल मार्च में टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में खेला गया था। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यह मुकाबला भारत ने 7 रन से जीता था।

इस बारे में ECB ने ब्रॉडकास्टर्स स्काई स्पोर्ट्स (UK) और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (भारत) से चर्चा की। इंग्लैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया है। वहीं वनडे में विराट कोहली भी फोकस में रहेंगे। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेलेंगे। ऐसे में जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी वापसी पर नजर रहेगी। कोहली ने जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है।

वनडे के सभी टिकट बिके, टी-20 के अब भी बाकी

भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज की शुरुआत पहले होगी। लेकिन अभी उसके पूरे टिकट बिकने बाकी हैं। वहीं तीनों वनडे मैचों के टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं। इसके सबसे बड़ी वजह विराट कोहली और रोहित शर्मा के फैंस हैं। हालांकि वनडे मैचों के टिकट की घोषणा से पहले ही की गई थी। कोहली और रोहित पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

भारत दौरे से ईसीबी को मुनाफे की उम्मीद

भारत की व्हाइट-बॉल सीरीज से ECB को इस साल अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है। मैच डे कमाई और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स दोनों से बोर्ड को फायदा मिलने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज की मेजबानी के बावजूद ECB को नुकसान हुआ है। इससे भारत सीरीज की अहमियत और बढ़ गई है।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

मनोरंजन

एक्ट्रेस का बेबी बंप नजर आया, अपार्टमेंट में दूसरे बच्चे के जन्म के बाद शिफ्ट हो सकते हैं

दीपिका-रणवीर नए घर में दिखे

नई दिल्ली। सोमवार को दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुंबई के बांद्रा वेस्ट स्थित अपने समुद्र किनारे बने नए क्वाड्रुप्लेक्स घर की बालकनी में नजर आए। दोनों घर के इंटीरियर के काम की प्रोग्रेस देखने पहुंचे थे।

जो तस्वीरें और वीडियो सामने आए, उनमें दीपिका सफेद को-ऑर्ड आउटफिट में दिखीं, जबकि रणवीर ने लाल टी-शर्ट, काली पैंट और काली कैप पहनी हुई थी। वहीं हाल ही में दूसरी बार प्रेग्नेंट दीपिका का बेबी बंप भी नजर आया।

खबरों के अनुसार, दूसरे बच्चे के जन्म के बाद कपल नए आलीशान घर में शिफ्ट हो सकता है। समुद्र के सामने बना यह लग्जरी

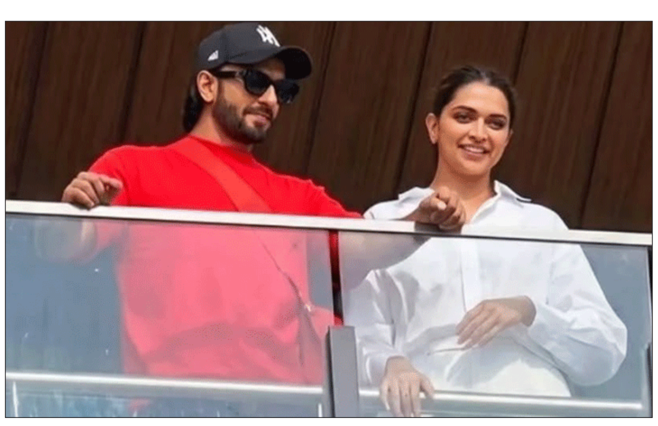

क्वाड्रुप्लेक्स अपार्टमेंट काफी बड़ा और शानदार बताया जा रहा है।

कपल के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर हाल ही में फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 में नजर आए थे। दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुईं। 'धुरंधर' के पहले पार्ट ने दुनियाभर में 1307 करोड़ रुपए का कारोबार किया था, जबकि इसके सीक्वल को भी दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला था। धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करते हुए भारत में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनने का रिकॉर्ड बनाया। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने भारत में करीब 1149 करोड़ नेट कलेक्शन और दुनियाभर में लगभग 1813 करोड़ ग्रॉस कमाई की है।

2024 में बेटी दुआ का जन्म हुआ था

बता दें कि दीपिका और रणवीर ने 8 सितंबर 2024 को अपनी बेटी दुआ के जन्म की जानकारी दी थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'वेलकम बेबी गर्ल। 8-9-2024। दीपिका और रणवीर।' इससे पहले फरवरी 2024 में दीपिका ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। दोनों की लव स्टोरी 2013 में फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के सेट से शुरू हुई थी। कई सालों तक रिश्ते में रहने के बाद दोनों ने 2018 में इटली में शादी की थी।

अप्रैल में की थी प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट

दीपिका पादुकोण ने 19 अप्रैल को अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। दीपिका और रणवीर के इंस्टाग्राम हैंडल पर उनकी बेटी दुआ की एक तस्वीर शेयर की गई थी, जिसमें बेटी ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है, जो पॉजिटिव रिजल्ट दिखा रहा है। तस्वीर में रणवीर बेटी को गोद में लिए हुए हैं, हालांकि उनका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था। वहीं, तस्वीर में दुआ का आधा चेहरा नजर आ रहा था।

स्ट्रीट डॉग की मौत पर रो पड़ीं मंजरी फडनिस

एक्ट्रेस ने कुत्ते की पीट-पीटकर हत्या का दावा किया

नई दिल्ली। एक्ट्रेस मंजरी फडनिस ने एक स्ट्रीट कुत्ते की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले पर गहरा दुख जताया है। माइकी की देखभाल मंजरी और उनकी सोसायटी के अन्य निवासी पिछले सात सालों से कर रहे थे।

मंजरी ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल वीडियो शेयर कर बताया कि माइकी नाम का लंबे बालों वाला स्ट्रीट कुत्ता था, जिसे उसके परिवार ने छोड़ दिया था। वह 2019-20 से सोसायटी में रह रहा था। कुछ समय पहले उसके अचानक लापता होने के बाद निवासी उसकी तलाश में जुट गए थे।

उन्होंने बताया कि माइकी को खोजने के लिए पोस्टर लगाए गए, सुरक्षा गार्डों और स्टाफ से पूछताछ की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

मंजरी के अनुसार, बाद में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि माइकी पर उस समय हमला किया गया जब वह बिल्डिंग के बेसमेंट क्षेत्र के पास सो रहा था।

जन्म पर देखने पहुंचीं इंदिरा गांधी, दादा के नाम पर रोड, कभी झगड़े में ममता कुलकर्णी ने कहा- तुम्हारी औकात क्या है

51 की हुईं अमीषा पटेल

9 जून 1975

नई दिल्ली। अमीषा पटेल का जन्म गुजरात के रईस बिजनेस-मैन अमित पटेल और पंजाबी NRI मां आशा के घर हुआ। मां और पिता का नाम जोड़कर उन्हें अमीषा नाम दिया गया। 5 की उम्र में उन्हें भरतनाट्यम की ट्रेनिंग दिलवाई गई। उनके दादाजी रजनी पटेल मशहूर बैरिस्टर और कांग्रेस के बड़े राजनेता थे। उनके नाम पर 1986 में मुंबई की रोड का नाम बैरिस्टर रजनी पटेल मार्ग रखा गया है। मनीष पॉल के पॉडकास्ट में अमीषा ने बताया था कि उनके दादाजी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक बनने वाले थे। वो इंदिरा गांधी के करीबी थे। 16 साल की उम्र में अमीषा अपने पिता के साथ सहेली के संगीत में पहुंची थीं। वहां पिता के साथ बोर्डिंग स्कूल में पढ़ चुके बचपन के दोस्त राकेश रोशन भी पहुंचे थे।

जब अमीषा ने बिंदास अंदाज में डांस करना शुरू किया तो राकेश रोशन की उन पर नजर पड़ गई। वो सीधे उनके पिता के पास पहुंचे और पूछा- ये कौन है। गर्लफ्रेंड? जवाब मिला- नहीं राकेश, ये मेरी बेटी है अमीषा। अभी अभी बॉस्टन से पढ़ाई कर लौटी है।

राकेश ने उनसे कहा- जब मैं अपने बेटे ऋतिक को लॉन्च करूंगा, तो तुम्हारी बेटी को हीरोइन बनाऊंगा।

पिता ने कहा- नहीं, वो तो पढ़ाई के लिए बॉस्टन जा रही है। फिल्मों में काम करने का तो सवाल ही नहीं उठता।

शुरुआती पढ़ाई के बाद अमीषा ने बोस्टन की TUFT यूनिवर्सिटी से बायो जेनेटिक इंजीनियरिंग की और बाद में इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की।

अमीषा के पिता अमित पटेल का अक्सर फिल्मी दुनिया के लोगों के साथ उठना-बैठना होता था। एक दिन उन्होंने बॉस्टन में रह रहीं अमीषा को कॉल कर बताया कि विनोद अंकल (विनोद खन्ना) चाहते हैं कि तुम उनके बेटे अक्षय खन्ना की डेब्यू फिल्म हिमालय पुत्र से फिल्मों में डेब्यू करो, लेकिन हमने इनकार कर दिया। हम नहीं चाहते कि तुम्हारी पढ़ाई पर असर पड़े।

अमीषा ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि फिल्मों में आने का उन्होंने खुद भी कभी सोचा नहीं था। कुछ दिन बीते, तो पिता ने फिर बताया फिरोज खान ने भी उन्हें बेटे फरदीन खान की फिल्म प्रेम अगन ऑफर की है, लेकिन इस बार भी उन्होंने इनकार कर दिया।

> इंदिरा गांधी, अमीषा पटेल के पेरेंट्स की शादी में भी पहुंची थीं। उन्होंने खुद शादी ऐसी डेट पर रखी, जिस दिन वो काम में व्यस्त न हों और शादी अटेंड कर सकें। यहां तक की जब अमीषा का जन्म हुआ, इंदिरा गांधी वो पहली शख्स थीं, जो अस्पताल पहुंची थीं।

कहो न प्यार है करते हुए मिली गदर, 12 घंटों तक दिया स्क्रीनटेस्ट

अमीषा पटेल ने कुछ दिनों की एक्टिंग ट्रेनिंग लेने के बाद कहो न प्यार है की शूटिंग शुरू की। इसी समय उन्हें अनिल शर्मा की फिल्म गदर के ऑडिशन की जानकारी मिली। वो ऑडिशन के लिए गईं, जिसके लिए पहले ही 500 लड़कियां ऑडिशन दे चुकी थीं। 22 लड़कियों को स्क्रीनटेस्ट के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनमें अमीषा भी शामिल हुईं। उनका स्क्रीनटेस्ट 12 घंटे तक चला। आखिरकार अनिल शर्मा ने उन्हें गदर में कास्ट कर लिया। सिलेक्शन के बाद अमीषा पटेल को गदर साइन करने पर ताने मिले। सभी का मानना था कि करियर की शुरुआत में अमीषा को मां का रोल नहीं करना चाहिए, लेकिन वो ये रोल करने पर अड़ी थीं। अमीषा ने एक साथ कहो न प्यार है और गदर की शूटिंग की। एक फिल्म में वो चुलबुली लड़की थीं और दूसरी में एक भारत-पाकिस्तान के बीच हुए दंगों की सर्वाइवर।

कोर्ट बोला- ट्रम्प फीस के नाम पर टैक्स नहीं ले सकते ■ भारतीयों को सबसे ज्यादा राहत

एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर वसूलने का आदेश रद्द

निर्णय

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प के H-1B वीजा पर 1 लाख डॉलर (करीब 95 लाख रुपए) फीस वसूलने वाली नीति को रद्द कर दिया है। बॉस्टन कोर्ट ने कहा कि यह फीस नहीं बल्कि एक टैक्स है और इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति नहीं, बल्कि संसद की मंजूरी जरूरी थी। ट्रम्प ने सितंबर 2025 में घोषणा की थी कि जो कंपनियां H-1B वीजा पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देंगी, उन्हें हर वीजा के लिए 1 लाख डॉलर की एक्स्ट्रा फीस देनी होगी। इसके बाद 20 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने इसे चुनौती दी थी। अब कोर्ट के फैसले के खिलाफ ट्रम्प सरकार अपील कर सकती है।

इस वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भारतीय आईटी और टेक प्रोफेशनल्स करते हैं। ऐसे में कोर्ट के इस फैसले को भारतीयों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

H-1B एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां कुछ समय के लिए विदेशों से हाई स्किल वाले पेशेवरों को नौकरी पर रख सकती हैं। पहले H-1B वीजा आवेदन करने पर कंपनियों को करीब 2000 से 5000 डॉलर तक फीस देनी पड़ती थी।

ट्रम्प सरकार के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ा था। बड़ी संख्या में भारतीय IT प्रोफेशनल्स H-1B वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं। AI की वजह से टेक सेक्टर में छंटनी और नए इमिग्रेशन नियमों के कारण विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पहले ही धीमी हो चुकी थी। इस बीच कई भारतीय कर्मचारियों की नौकरी चली गई। अमेरिकी नियमों के मुताबिक नौकरी जाने के बाद नए रोजगार के लिए सिर्फ 60 दिन का समय मिलता है।

सरकार ने माना- फीस बढ़ने के बाद आवेदन घटे

ट्रम्प सरकार के फीस बढ़ने का असर वीजा आवेदनों पर भी पड़ा। US सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 के लिए H-1B रजिस्ट्रेशन में 38.5% की गिरावट आई। यह संख्या 3.44 लाख से घटकर 2.11 लाख रह गई।

अमेरिकी सरकार ने खुद कोर्ट में माना था कि फीस बढ़ने के बाद H-1B वीजा के आवेदन तेजी से घटे हैं। मार्च में प्रशासन ने बताया था कि 15 फरवरी तक सिर्फ 85 लोगों ने ही नई फीस जमा की थी। H-1B प्रोग्राम के तहत हर साल 65,000 वीजा जारी किए जाते हैं। इसके अलावा एडवांस डिग्री वाले विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए और 20,000 वीजा दिए जाते हैं। यह वीजा आमतौर पर 3 से 6 साल के लिए मंजूर होता है।

■ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 19 सितंबर 2025 को H-1B वीजा को लेकर नियमों में बदलाव से जुड़े ऑर्डर पर साइन किया था।

ट्रम्प सरकार बोली- एच-1बी का दुरुपयोग हो रहा

ट्रम्प सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि H-1B सिस्टम का दुरुपयोग हो रहा है। सरकार के मुताबिक कई कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को रख रही थीं। ऐसे में यह फीस टैक्स नहीं बल्कि एक तरह का आर्थिक दंड है। सरकार ने कहा कि इमिग्रेशन कानून के तहत राष्ट्रपति को विदेशी नागरिकों की एंट्री सीमित करने का अधिकार है, लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं हुआ।

अमेरिका ने 100 चीनी कंपनियां को 'मिलिट्री लिस्ट' में डाला

दावा- ये कंपनियां चीनी सेना की मदद कर रहीं

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने अलीबाबा ग्रुप, बायडू और BYD जैसी दिग्गज चीनी टेक और ऑटोमोबाइल कंपनियों को "चीनी मिलिट्री कंपनियों" की लिस्ट में शामिल किया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के अनुसार ये कंपनियां पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) यानी चीनी सेना और वहां की सुरक्षा एजेंसियों की मदद करती हैं। अमेरिका ने नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट (NDAA) के सेक्शन 1260H के तहत अब तक 100 से अधिक चीनी कंपनियों को इस ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है।

पेंटागन द्वारा जारी की गई इस नई लिस्ट में चीन के लगभग हर बड़े सेक्टर की दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। इनमें ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीबाबा, सर्च इंजन और एआई सेक्टर की बड़ी कंपनी बायडू, और दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनियों में से एक BYD शामिल है। इनके अलावा इस लिस्ट में बैटरी बनाने वाली कंपनी CATL, गेमिंग और सोशल मीडिया की बड़ी कंपनी टेनसेंट, टेलिकॉम कंपनी हुवावे और ड्रोन बनाने वाली कंपनी DJI को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्किंग डिवाइस बनाने वाली टीपी-लिंक, रोबोटिक्स फर्म यूनिट्री, सर्विलांस कैमरा बनाने वाली हिकविज़), और कोस्को शिपिंग जैसी दिग्गज कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं। चीन की बड़ी टेलिकॉम ऑपरेटर चाइना मोबाइल, चाइना टेलीकॉम, और चाइना यूनिकॉम को भी सेना से जुड़े होने के कारण इसमें डाला गया है।

फास्ट न्यूज

'अदालतों पर बोझ कम करने की जरूरत'

लंदन। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि मेडिएशन अब सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि जरूरी व्यवस्था बन गई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आर्बिट्रेशन कई प्रक्रियागत बाधाओं का सामना कर रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा है कि दुनिया भर में बढ़ते कानूनी विवादों के बीच अब समय आ गया है कि अदालतों में लंबी लड़ाई के बजाय आपसी सहमति से समाधान पर ज्यादा ध्यान दिया जाए।

फिलीपींस में आए विनाशकारी भूकंप से करीब 20 हजार लोग बेघर

मनीला। साल 1976 में आए विनाशकारी भूकंप की त्रासदी के बाद एक बार फिर फिलीपींस भूकंप के झटकों से थर्राया। बीते दिन (8 जून) को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें 37 लोग मारे गए जबकि तकरीबन 20,000 लोग बेघर हो गए हैं। अभी भी चार लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस दौरान समुद्र में उठी तेज लहरों ने भी खूब तबाही मचाई। फिलीपींस की सबसे ज्यादा आबादी वाले द्वीप में दूसरे नंबर पर आने वाले मिंडानाओ के पास आए भूकंप ने पूरे शहर को तहस-नहस कर दिया है।

24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया

मस्कट। ओमान के तट के पास एक व्यापारी तेल टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। यह सफल अभियान भारत और ओमान के बीच समुद्री बचाव सहयोग का एक बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

यूक्रेन के खार्किव पर रूस का भीषण हमला

4 नागरिकों की मौत, 10 घायल

मॉस्को, एजेंसी

यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी खार्किव क्षेत्र में मंगलवार सुबह रूस ने फिर भीषण बमबारी की, जिसमें एक 22 वर्षीय महिला समेत चार नागरिकों की मौत हो गई और 10 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। खार्किव के गवर्नर ओलेग सिनेगुबोव के अनुसार, रूसी सेना ने चुगुइव शहर को निशाना बनाकर यह हमला किया। इस हमले के कारण रिहायशी इलाकों में भीषण आग लग गई, जिससे बहुमंजिला इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है और कम से कम 18 वाहन मलबे में तब्दील हो गए हैं। खार्किव क्षेत्र के गवर्नर ओलेग सिनेगुबोव ने टेलीग्राम पर लिखा, रदुश्मन ने चुगुइव शहर पर हमला किया है। इस हमले में 22 वर्षीय महिला सहित चार लोग मारे गए हैं। वहीं, खार्किव के मेयर इगोर तेरेखोव ने बताया कि उनके शहर में 10 लोग घायल हुए हैं। हाल के महीनों में रूस की तरफ से रिहायशी इलाकों पर किए जाने वाले हमलों में तेजी आई है। अप्रैल में प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र के एक अनुमान के अनुसार, रूस द्वारा फरवरी 2022 में आक्रमण शुरू करने के बाद से यूक्रेनी क्षेत्रों में कम से कम 15,850 नागरिक मारे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, रूस के नियंत्रण वाले क्षेत्रों में 2,800 से अधिक नागरिक मारे गए हैं, जबकि यूक्रेन और रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में 44,800 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका-ईरान जंग का असर, तेल 430% तो अंडे 345% महंगे हो गए

रोटी तक ईएमआई पर लेने को मजबूर हुए ईरानी

तेहरान, एजेंसी

मैंने मोहल्ले की दुकान से उधार राशन लिया। अगले दिन पैसा देने गया तो बिल दोगुना हो चुका था।' तेहरान के 52 साल के सरकारी कर्मचारी मेहदी की यह बात ईरान में महंगाई की तस्वीर को बयां करती है। तेहरान, इस्फहान, अहवाज और मशहद के लोगों से बात करने पर पाया कि उनकी आवाजों में अब बम्बों से ज्यादा रसोई का डर दिख रहा है।

मेहदी ने बताया कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब तनख्वाह महीने के बीच में ही खत्म हो जाती है। कई इलाकों में हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि लोग रोटी, राशन, और सुपर-मार्केट पैकेज तक ईएमआई में खरीद रहे हैं। इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद कुछ ईरानियों को लगा था कि सरकार गिर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सरकार समर्थक हों या विरोधी, सभी युद्ध, महंगाई और अनिश्चितता से टूट रहे हैं। युद्ध के बाद से देश में कुकिंग ऑयल 430%, अंडे 345%, चावल 287% और दूध 139% तक महंगे हो गए हैं। ईरान में युद्ध शुरू होते ही इंटरनेट बंद हो गया था। मई के अंत तक लोग दुनिया से भी कटे रहे और एक-दूसरे से भी।

> युद्ध की मार अब ईरान के उत्पादन व इलाज तक पहुंच चुकी है। मशहद के पास मौजूद एक फैक्ट्री के मैनेजर ने बताया कि उत्पादन बंद है और कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। वजह कच्चे माल की कमी है।

जब इंटरनेट लौटा, तो राहत नहीं आई। सोशल मीडिया पर टूटे घरों, बिछड़े परिवारों और दहशत की कहानियां उमड़ पड़ीं। इन्हीं में हामिद मिर्जाई की कहानी सबसे दर्दनाक है। उन्होंने लिखा कि मार्च में तेहरान के रेसालत स्क्वायर पर इजराइली हमला हुआ। इसमें उनकी पत्नी, माता-पिता समेत 12 लोग मारे गए। इसकी जानकारी उन्हें इंटरनेट शुरू होने के बाद मिल पाई।

अब विरोधी बोले- बातचीत ही देश बचाने का आखिरी रास्ता

कई अब युद्ध को बदलाव का रास्ता नहीं मान रहे। वे बातचीत को देश बचाने का आखिरी साधन समझने लगे हैं। सरकार विरोधी तेहरान की 44 साल की पर्यावरण विशेषज्ञ लीदा, ने कहा कि वे बातचीत के पक्ष में हैं। उनका कहना है कि ईरान ने बहुत जानें गंवाईं। इंफ्रास्ट्रक्चर टूटा। युद्ध देश हित में नहीं है। विश्लेषक एली के मुताबिक यह विरोधियों के लिए कड़वा हिसाब लगाने का समय है। उन्हें मानना पड़ रहा है कि उम्मीदों के उलट यह शासन बचा रहा।

विधानसभा में आरक्षित सीटें खत्म करने की मांग, कश्मीर से आए लोगों को दी गई थी

पीओके में हिंसा, 11 की मौत इनमें 4 पुलिसकर्मी

मुज्जफराबाद, एजेंसी

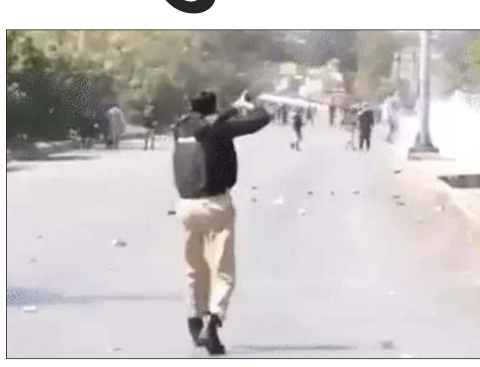

■ रावलकोट में रविवार को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। (वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई।

रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 7 नागरिक और 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। PoK में JAAC और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। JAAC इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है। PoK सरकार ने JAAC पर 5 जून को बैन लगाया था। बैन लगाने के लिए सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। इसके अगले दिन पुलिस ने संगठन के समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की और कई गिरफ्तारियां कीं। प्रशासन का दावा है कि JAAC की 38 मांगों में से ज्यादातर मांगों को पहले ही स्वीकार किया जा चुका है। इसके बावजूद संगठन अपना आंदोलन जारी रखे हुए है। JAAC के आंदोलन की अहम वजह विधानसभा की 12 आरक्षित सीटें हैं, जिन्हें खत्म करने की मांग की जा रही है। असल में ये 12 सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं, जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। ये लोग 1947, 1965, 1971 युद्ध या बाद के संघर्षों की वजह से गए थे।

जेएएसी पर बैन लगा, जिसके बाद हिंसा भड़की

सरकार ने 5 जून को JAAC पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रविवार को JAAC के कार्यकर्ता संगठन के एक सदस्य की मौत के विरोध में अस्पताल के शवगृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। सदस्य की मौत कथित तौर पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। पुलिस जब प्रदर्शनकारियों को हटाने पहुंची, तभी झड़प शुरू हो गई और हिंसा फैल गई।

रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने रॉयटर्स से कहा कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई। उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में छह प्रदर्शनकारी मारे गए। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक पुलिस का आरोप है कि JAAC से जुड़े लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर शॉटगन और अन्य हथियारों से हमला किया। पुलिस ने घटना को आतंकवादी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

यूएन में भारत ने खोली पाकिस्तान के दोगलेपन की पोल

आतंकवाद और दुष्प्रचार को लेकर सुनाई खरी-खोटी

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान को फिर खूब खरी-खोटी सुनाई। उसके झूठ, पाखंड और आतंक को पालने-पोसने के दोगलेपन को उजागर किया। भारत ने पाकिस्तान के उस फैसले की कड़ी निंदा की जिसमें उसने अपनी सीमा के अंदर मौजूद समूहों को 'फित्ना अल हिंदुस्तान' कहा है। भारत ने कहा कि यह झूठ और दुष्प्रचार है। पाक सरकार द्वारा फेक नैरेटिव फैलाया जा रहा है।

यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने 'अफगानिस्तान में हालात' पर सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तानी का सरकारी आदेश जारी करके अपनी सरकारी एजेंसियों को अपनी सीमा के भीतर मौजूद समूहों को 'फित्ना-अल-हिंदुस्तान' कहने का निर्देश देना धार्मिक शब्दावली की आड़ में सरकारी तौर पर फैलाई जा रही गलत जानकारी और दुष्प्रचार के अलावा और कुछ नहीं है।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल पाकिस्तान सरकार ने बलूचिस्तान प्रांत में सक्रिय सभी आतंकी समूहों और संगठनों को आधिकारिक तौर पर 'फित्ना-अल-हिंदुस्तान' करार दिया था। सरकार ने बिना कोई सुबूत दिए आरोप लगाया था कि ये संगठन भारत के इशारे पर आतंकवाद फैलाते हैं। भारत का कहना है कि हकीकत यह है कि पाक खुद आतंक को पालने-पोसने वाला है और भारत पर अनर्गल आरोप लगाता है।

संकट: अमेरिका-ईरान जंग के असर से थमेगी रफ्तार, महंगाई बढ़कर 5.3% पहुंचने की आशंका

फिच ने भारत की जीडीपी-ग्रोथ का अनुमान घटाकर 6.4% किया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (FY27) के लिए भारत की जीडीपी (GDP) ग्रोथ का अनुमान 6.7% से घटाकर 6.4% कर दिया है। फिच का कहना है कि अमेरिका-ईरान जंग की वजह से सितंबर और दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी होगी।

'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पिछले 14 हफ्तों से बंद है। फिच ने अनुमान जताया है कि यह जुलाई से पहले नहीं खुलेगा। इसी तेल संकट के चलते फिच ने साल 2026 के लिए ब्रेंट क्रूड ऑयल की औसत कीमत का अनुमान 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़ाकर $87 प्रति बैरल कर दिया है। हाल के महीनों में ही ईंधन की कीमतें 4-5% तक बढ़ चुकी हैं।

फिच ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ घटकर 6.4% रह जाएगी, जो हमारे मार्च के अनुमान से 0.3% कम है। हालांकि, घरेलू मांग ही इस ग्रोथ की मुख्य ड्राइवर बनी रहेगी। इसके साथ ही वास्तविक रूप से कम आयात होने के कारण नेट एक्सपोर्ट्स डिमांड का ग्रोथ में पॉजिटिव योगदान रहेगा। भारत में अभी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित रिटेल महंगाई 3.5% और थोक महंगाई (WPI) अप्रैल में सालाना आधार पर 8.3% रही है। हालांकि रिटेल महंगाई अभी बहुत ज्यादा नहीं बढ़ी है, लेकिन दबाव लगातार बढ़ रहा है।

अमेरिका-ईरान जंग और तेल संकट का असर

फिच रेटिंग्स ने अपनी जून ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका-ईरान जंग की वजह से पैदा हुए तेल संकट का असर वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था पर साफ दिखेगा। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (सितंबर) और तीसरी (दिसंबर) तिमाही में आर्थिक सुस्ती सबसे ज्यादा नजर आएगी।

फिच का अनुमान है कि बेस इफेक्ट और महंगी एनर्जी की वजह से इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक महंगाई दर बढ़कर 5.3% तक पहुंच सकती है। इसके अलावा देश के कुछ हिस्सों में जारी हीटवेव और औसत से कम मानसून के अनुमान ने भी महंगाई का जोखिम बढ़ा दिया है। महंगाई के बढ़ते दबाव को देखते हुए, फिच का मानना है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) अपनी नीति में बदलाव कर सकता है। हालांकि अप्रैल की बैठक में आरबीआई ने रेपो रेट को 5.25% पर स्थिर रखा था। लेकिन फिच के मुताबिक, सप्लाई शॉक से पैदा हुए मूल्य दबाव से निपटने के लिए आरबीआई इस साल ब्याज दरों में एक बार बढ़ोतरी करके इसे 5.5% कर सकता है।

> जंग के कारण बढ़ती कीमतें लोगों की रियल इनकम को प्रभावित कर रही हैं। इससे कंज्यूमर स्पेंडिंग यानी आम उपभोक्ताओं द्वारा किए जाने वाले खर्च में कमी आएगी। हालांकि, देश के भीतर कैपिटल एक्सपेंडिचर में मजबूती बनी हुई है।

भारत में 76 दिन का फ्यूल स्टॉक: पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोल-डीजल पर सोमवार (8 जून) को पेट्रोलियम मंत्रालय और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की ओर से दो अलग-अलग बयान आए, जिससे पता चलता है कि देश में फ्यूल का स्टॉक तो है, लेकिन कीमतें बढ़ सकती हैं। एक ओर केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि भारत के पास वर्तमान में अपनी रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व, रिफाइनरी स्टॉक और कमर्शियल स्टॉक को मिलाकर 76 से 80 दिन की खपत के बराबर फ्यूल रिजर्व मौजूद है। उन्होंने बताया कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद देश की तेल सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित है और ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें बहुत लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर नहीं रहेंगी।

वहीं, दूसरी ओर पेट्रोलियम मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी प्रवीण खनूजा ने एक प्रेस ब्रीफिंग में यह भी बताया कि LPG के अलावा तेल कंपनियां वर्तमान में डीजल पर 30 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल पर 6 रुपए प्रति लीटर की अंडर-रिकवरी (नुकसान) झेल रही हैं। इस कारण कंपनियों को हर दिन करीब 600 से 700 करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ रहा है। हरदीप सिंह पुरी ने यह भी स्वीकार किया कि यदि मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष उम्मीद से कहीं ज्यादा लंबा खींचता है, तो चुनौतियां बदल सकती हैं।

■ मंत्रालय ने बताया- तेल कंपनियों को हर दिन 600 से 700 करोड़ का नुकसान

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96